

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com



फोन:- 2627612, 2427249 फैक्स:- 0145-2624665 वर्ष: 36 संख्या: 193 प्रभात अजमेर, बुधवार 18 फरवरी, 2026 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

क्या टूट जाएगा कांग्रेस का सबसे भरोसेमंद गठबंधन

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 17 फरवरी। कांग्रेस और द्रमुक (डीएमके), जैसे पुराने सहयोगियों के बीच तनाव अब चरम पर पहुंच चुका है, तमिलनाडु विधानसभा चुनाव सिर्फ एक महीने दूर हैं। कांग्रेस की सत्ता में हिस्सेदारी और चुनावी सीटों की संख्या बढ़ाने की लगातार मांग ने इसे और बढ़ा दिया है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने दोनों मांगों पर स्पष्ट इन्कार कर दिया है, लेकिन कांग्रेस अपनी मांग लगातार रख रही है। मणिकम टैगोर और प्रवीण चक्रवर्ती दोनों ही जोर-शोर से इसे आगे बढ़ा रहे हैं।

इतना ही नहीं, एआईसीसी के संगठन प्रभारी महासचिव के सी वेणुगोपाल 22 फरवरी को चेन्नई जाने वाले हैं और वे मुख्यमंत्री स्टालिन से मिलने के लिए तैयार हैं, ताकि इस उलझन को सुलझाया जा सके।

चक्रवर्ती ने अभिनेता से नेता बने विजय से मुलाकात की है, ताकि द्रमुक से अलग होकर विजय की पार्टी से गठबंधन किया जा सके।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम भी इस घमासान में कूद पड़े और स्टालिन से मुलाकात कर मतभेदों को हल करने की कोशिश की।

उन्होंने प्रवीण चक्रवर्ती का विरोध करने के लिए टवीट किया, लेकिन वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि समस्या

राहुल ब्रिगेड तमिलनाडु में द्रमुक से गठबंधन तोड़ने पर आमादा लग रही है

- राहुल के करीबी माने जाने वाले माणिकम टैगोर तथा प्रवीण चक्रवर्ती ने द्रमुक के मुखिया तथा राज्य के मुख्यमंत्री स्टालिन से सत्ता में भागीदारी देने और सीटों की संख्या बढ़ाने की मांग की है, जिसे स्टालिन ने पूरी तरह से ठुकरा दिया है।
- सूत्रों से पता चला है, ये दोनों नेता-अभिनेता विजय के संपर्क में हैं और उनकी पार्टी से गठबंधन की संभावनाएं तलाश रहे हैं।
- कांग्रेस व द्रमुक में तनाव बढ़ता जा रहा है। यहाँ तक कि वरिष्ठ नेता पी. चिदम्बरम् को हस्तक्षेप करना पड़ा, उन्होंने स्टालिन से मुलाकात कर ठंडे छीट देने की कोशिश की।
- लेकिन राहुल टीम के नेता अभी भी अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं, उन्हें यह समझ नहीं है कि तमिलनाडु में कांग्रेस का अस्तित्व द्रमुक पर आश्रित है। अगर द्रमुक चुनाव जीतती है तो कांग्रेस भी कुछ सीटें जीत जाती है, अगर द्रमुक हारती है तो कांग्रेस का भी खाता नहीं खुलता।
- देखना यह है कि क्या राहुल कांग्रेस के इस सबसे पुराने तथा भरोसेमंद गठबंधन को बचाने के लिए क्या अपनी टीम के नेताओं पर लगाम कसेंगे या वही करेंगे, जैसा उनके सलाहकार चाहते हैं।

यह है कि प्रवीण राहुल गांधी के करीबी हैं और उन पर प्रभाव रखते हैं, जबकि चिदंबरम वरिष्ठ पीढ़ी से हैं।

विजय भी हालात का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं और कांग्रेस को डीएमके से अलग करने और उनके साथ गठबंधन करने के लिए प्रयासरत हैं।

इस वक़्त यह लड़ाई मानसिक स्तर पर है, जिसमें राहुल की युवा टीम यह समझाने में लगी हुई है कि अब कांग्रेस को दबाकर रखने का समय खत्म हो चुका है और पार्टी को अपनी स्थिति स्थापित करनी चाहिए।

वे यह समझने में असफल हैं कि

कांग्रेस केवल द्रमुक के साथ जीतती है और अकेले वह कभी जीतने की स्थिति में नहीं होती।

लेकिन राहुल अपने समूह से आसानी से प्रभावित हो जाते हैं, बजाय इसके कि वे खुद मामलों को समझें।

(श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

विख्यात फिल्म लेखक सलीम खान आईसीयू में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 17 फरवरी। बॉलीवुड के दिग्गज पटकथा लेखक 90 वर्षीय सलीम खान की तबियत बिगड़ने पर उन्हें मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूत्रों के अनुसार, सलीम खान के सबसे बड़े बेटे और बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान अपने पिता को देखने बांद्रा के लीलावती अस्पताल पहुंचे।

पीटीआई के अनुसार, सलीम खान को सुबह अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे फिलहाल अस्पताल के इंटेन्सिव केयर युनिट (आईसीयू) में हैं।

सलीम खान की बेटी अलवीरा खान, दामाद अतुल अग्निहोत्री और दोहिते अयाना अग्निहोत्री ने भी अस्पताल में जाकर उन्हें देखा। सलीम खान की गोद ली हुई बेटी अर्पिता खान के पति, अभिनेता आयुष शर्मा भी अस्पताल में देखे गए। सलीम खान अपने पूर्व सहयोगी जावेद अख्तर के साथ “शोले”, “हाथी मेरे साथी”, “जंजीर” और “मि. इंडिया” जैसी काजजयी फिल्मों लिखने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 24 नवम्बर 2025 को अपना 90वां जन्मदिन मनाया था।

गावस्कर और कपिल सहित 14 क्रिकेटर्स ने इमरान खान के स्वास्थ्य के प्रति चिंता जताई

इन क्रिकेटरर्स ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ़ को चिठ्ठी लिखी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 17 फरवरी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इमरान खान के प्रति सहभाव दर्शाते हुए 14 जाने-माने क्रिकेटरर्स, जिनमें सुनील गावस्कर व कपिल देव भी शामिल हैं, ने मंगलवार को पाक प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ को पत्र लिखा और इमरान खान के स्वास्थ्य के प्रति चिंता दर्शाई तथा अपील की कि इमरान खान को बेहतर चिकित्सा सुविधा दी जाए।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ग्रेग चैपल द्वारा तैयार किए गए पत्र पर सुनील गावस्कर, कपिल देव, एलेन बॉर्डर, स्टीव वॉ, इयान चैपल, माइक एथर्टन, नासिर हुसैन, माइक ब्रेयरले, डेविड गावर, क्लाइव लॉयड और जॉन राइट जैसे क्रिकेट दिग्गजों ने हस्ताक्षर किए हैं।

मैक्रों से मिलने मुम्बई गए प्र.मंत्री

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 17 फरवरी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों तीन दिवसीय भारत दौरे पर हैं। मैक्रों से मिलने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को मुम्बई गए।

फ्रांस भारत के साथ अपनी सैन्य साझेदारी को विस्तार देने की कोशिश कर रहा है, और मैक्रों की पीएम मोदी

- फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों भारत के तीन दिवसीय दौरे पर सोमवार देर रात मुम्बई पहुंचे थे।

से संभवतया आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में सहयोग व कृत्रिम डर्शाल्ट राफल जेट सौदा होगा।

दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श करेंगे और भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे।

मैक्रों सोमवार रात लगभग मध्यरात्रि को अपनी पत्नी ब्रिजित के (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 17 फरवरी। वैश्विक प्रौद्योगिकी कूटनीति की दुनिया में, अनुपस्थितियां भाषणों से अधिक प्रभावशाली होती हैं। इसलिए जब यह रिपोर्ट आई कि बिल गेट्स का नाम 2026 के इंडिया ए.आई. इम्पैक्ट समिट की आधिकारिक वेबसाइट से चुपचाप गायब हो गया, तो इस खामोशी ने तूफान खड़ा कर दिया।

क्या गेट्स को हटा दिया गया था? क्या उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया था? या यह केवल एक डिजिटल गड़बड़ी थी, जिसे भू-राजनीतिक नाटक में बदल दिया गया?

पिछले कुछ दिनों में, सरकार,

समिट आयोजकों और गेट्स फाउंडेशन ने ऐसे संकेत दिए हैं, जो पूरी तरह से मेल नहीं खाते, जिससे भारत की राजधानी दिल्ली में आयोजित इस प्रमुख आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (ए.आई.) समिट के सबसे हाई प्रोफाइल आर्मांत्रियों में से एक बिल गेट्स को लेकर भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई।

विवाद तब शुरू हुआ, जब गेट्स का नाम, जो पहले “ग्लोबल विजनरीज” के तहत सूचीबद्ध था, अब समिट की आधिकारिक वेबसाइट के कुछ हिस्सों पर दिखाई नहीं दे रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स ने जल्दी ही इसका पालन किया, जिसमें नामी सरकारी सूत्रों के हवाले से यह कहा गया कि गेट्स “संभावित रूप से उपस्थित नहीं होंगे”,

- बिल गेट्स ने भी स्वीकार किया कि 2010 में वे एस्टीन से मिले थे, परोपकारी व दान की संभावना के लिए, हालांकि, यह मुलाकात एक गलती थी तथा वे एस्टीन के टापू पर कभी नहीं गए।

- एआई समिट की वेबसाइट से बिल गेट्स का नाम हटा दिया गया है, हालांकि, इस बारे में भारत सरकार का कोई अधिकृत वक्तव्य नहीं आया है।

- दूसरी ओर बिल गेट्स के ऑफिस ने पुरजोर ढंग से दावा किया कि वे भारत की एआई समिट में जरूर शामिल होंगे तथा मुख्य भाषण भी देंगे।

- सच्चाई क्या है, यह समिट के समाप्त होने के बाद, धुंध साफ होने पर ही जाहिर होगा।

बांग्लादेश के प्र.मंत्री ने बिड़ला से मुलाकात की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 17 फरवरी। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारेक रहमान ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से शिष्टाचार मुलाकात के दौरान भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शुभकामनाएं दीं, यह मुलाकात नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद हुई।

लोकसभा अध्यक्ष ने उन्हें भारत की शुभकामनाएं और भारत यात्रा का निमंत्रण दिया। दोनों नेताओं ने बांग्लादेश और भारत के लोगों की

- मुलाकात में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने स्पीकर ओम बिड़ला के मार्फत भारत के प्रधानमंत्री को अपनी शुभकामनाएं भेजीं।

भलाई के लिए जन-केन्द्रित सहयोग के प्रति आशा व्यक्त की।

बिड़ला ने उनके दिल्ली-स्थित कार्यालय से जारी एक बयान में बांग्लादेश की नई सरकार के शपथ –ग्रहण समारोह में शामिल होने पर खुशी व्यक्त की, और कहा, “एक लोकतांत्रिक प्रगतिशील तथा समावेशी राष्ट्र के निर्माण में बांग्लादेश के प्रयासों में सहयोग के लिये भारत तैयार खड़ा है।”

तीस साल “ बेगमों की सल्तनत ’’ के बाद, बांग्लादेश को नया प्रधानमंत्री मिला

पर, पुरानी आदतें और परम्पराएं पीछा नहीं छोड़ रहीं, और देश के निर्वर्तमान अंतरिम सलाहकार, मोहम्मद यूनुस का भारत विरोधी रवैया व व्यवहार बार-बार सिर उठा रहा है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 16 फरवरी। बांग्लादेश के नए चुने गए नेता तारिक रहमान ने, भ्रम की स्थिति के बीच, नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। यह भ्रम देश के संविधान में बदलाव को लेकर था। जहां विपक्षी दल जमात-ए-इस्लामी का कहना था कि संसद के नए सदस्यों को देश के संविधान में संशोधन की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए, वहीं सत्तारूढ़ पार्टी का कहना था कि सदस्यों को सरकार बनाने के लिए चुना गया है, न कि संविधान में सुधार करने के लिए।

नई सरकार के गठन के साथ ही स्थिति और उलझ गई, जब अंतरिम सरकार के पूर्व मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भारत के खिलाफ अपना जाना-पहचाना हमला शुरू

- जमात-ए-इस्लामी पार्टी भी जोर दे रही है कि नवनिर्वाचित सांसदों की सबसे बड़ी प्राथमिकता है, देश के लिए, नया संविधान तैयार करना।

- पर, नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री का कहना है कि सांसद पार्लियामेंट में इसलिए निर्वाचित हुए हैं कि सरकार का गठन करें, न कि इसलिए वे नया संविधान तैयार करें।

- नवनिर्वाचित प्र.मंत्री रहमान चाहते हैं, सरकार की प्राथमिकता, आर्थिक एजेंडा होना चाहिए, इकोनॉमिक डवलपमेंट तथा बेरोजगारी खत्म करना।

- प्र.मंत्री रहमान की सरकार की सफलता इस बात से आंकी जाएगी कि इन मूल आर्थिक मुद्दों से वे किस हद तक निपटते हैं, न कि इस बात से कि भारत के साथ झूठी प्रतिस्पर्धा में कितनी प्रगति करी।

कर दिया।

मोहम्मद यूनुस शायद पदों के पीछे से घटनाओं को प्रभावित करने और कुछ सत्ता अपने पास बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं नई सरकार अतीत की राजनीति और अतिरिक्त संवैधानिक

शक्तियों की छाया से बाहर निकलने की कोशिश कर रही है।

यह एक महत्वपूर्ण घटना है। रहमान का चुनाव उस शासन के तीस साल के दौर को समाप्त करता है, जिसे बेगमों का शासन कहा जाता है। पूर्व

प्रधानमंत्री शेख हसीना और पूर्व प्रधानमंत्री तथा पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की पत्नी बेगम खालिदा ज़िया के बीच पिछले तीस वर्षों से टकराव चलता रहा था।

(श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

‘अजित पवार विमान हादसे की सीबीआई जांच हो’

मुंबई, 17 फरवरी। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर अजित पवार विमान हादसे की सीबीआई जांच की मांग की। इस मौके पर एन.सी.पी. (ए.पी.) के कार्यकारी

- उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने मुख्यमंत्री फडणवीस से मांग की।

अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे, मंत्री हसन मुश्रीफ और पार्थ पवार मौजूद थे। मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात के बाद एन.सी.पी. (ए.पी.) अध्यक्ष सुनील तटकरे ने पत्रकारों को बताया कि पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में मौत के बाद कुछ शंका व्यक्त की जा रही है और विमान हादसे की सच्चाई आम जनता जानना चाहती है। इसलिए इस घटना की गहन छानबीन और हर तरह के तथ्यों की जांच देश की उच्च स्तरीय जांच एजेंसी सीबीआई से करवाना जरूरी है।

CMYK

●

●

●

●

●

⊕

●

●

●

●

⊕

●

●

●

●

⊕

●

●

●

●

CMYK

विचार बिन्दु

मौन वार्तालाप की एक महान कला है। —हैज़लट

बजट सामूहिक उत्तरदायित्व में घोषणाएं व्यक्तिगत नहीं होती!

राजस्थान विधान सभा में पिछले हफ्ते राज्य का वर्ष 20२६–२७ का बजट प्रस्तुत किया गया। उसके प्रावधानों तथा उसमें किए गये प्रस्तावों व घोषणाओं पर राजनीतिक और मीडिया के अलावा कारोबारी जगत की फ़ौरी टिप्पणियां आ चुकी हैं। विपक्ष के लिए वह किसी काम का नहीं है,और सत्तारूढ़ दल के लिए वह सर्वश्रेष्ठ है। मगर इस बजट भाषण में वित्तीय आंकड़ों और प्रस्तावों से कुछ इतर भी झलकता है। पिछले कुछ समय से एक नई प्रवृति देखने को मिल रही है जिसमें बजट भाषण सामूहिक दायित्व की जगह व्यक्तिगत होता जा रहा है। यह प्रवृति इस बार सिर चढ़ कर बोलती नजर आई, जिसमें सामूहिक निर्णय को व्यक्तिगत नेतृत्व के प्रचार में बदले जाने की कवायद भी थी। बजट को अब पाटी की नहीं,व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया जाने लगा है। राजस्थान की वित्त मंत्री जब अपने बजट भाषण में बार–बार मुख्यमंत्री का गुणगान करती है और सदन में चारों ओर नजर घुमा कर कहती है कि मैं घोषणा करती हूं, तब प्रश्न विधिक नहीं, राजनीतिक शिष्टाचार और संवैधानिक संस्कृति का बन जाता है। बजट व्यक्ति का नहीं, सरकार का दस्तावेज होता है जिसे विभागीय स्तर पर तैयार किया जाता है, मंत्रिपरिषद् द्वारा अनुमोदित किया जाता है, और अंततः सदन द्वारा पारित किया जाता है। ऐसी स्थिति में 'मैं घोषणा करती हूं' का प्रयोग एक प्रकार से व्यक्तिगत स्वामित्व का संकेत देता हुआ प्रतीत होता है, भले ही विधिक रूप से ऐसा न हो। बहुतेरे यह भाषा संसदीय गरिमा और लोकतांत्रिक नैतिकता के विरुद्ध लग सकती है। मैं के का यह चलन महलों से आने वाली वसुंधरा राजे तथा कांग्रेस के अशोक गहलोत ने शुरू किया था। विधान सभा में बजट भाषण केवल आय–व्यय का विवरण नहीं होता; वह सरकार की नीतिगत दिशा, प्राथमिकताओं और वैचारिक प्रतिबद्धताओं का औपचारिक वक्तव्य होता है। ऐसे में जब वित्त मंत्री बार–बार यह कहे 'मैं घोषणा करती हूं' तो यह प्रश्न स्वाभाविक ही पूछा जा सकता है कि क्या यह भाषा संसदीय परंपरा और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना के अनुरूप है? यह भाषा की समस्या नहीं है। समस्या भाव में है। यदि बजट भाषण में बार–बार मैं की प्रधानता हो और सरकार या मंत्रिपरिषद् की सामूहिकता गौण हो जाए, तो यह लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए चिंता का विषय हो सकता है। क्योंकि लोकतंत्र में नीतियां व्यक्तिगत की नहीं, संस्थाओं की होती हैं। उत्तरदायित्व साझा होता है, उपलब्धि भी साझा होनी चाहिए। इसलिए सिद्धांततः यह कहना अधिक उपयुक्त माना जाता है कि –सरकार यह घोषणा करती है या राज्य सरकार प्रस्ताव करती है। माना जाता है कि बजट भाषण वित्तीय आंकड़ों के साथ राज्य के आर्थिक हालात को सदन में सामने रखता है और सरकार की लोक कल्याण की नीतियों व कार्यक्रमों की जानकारी देता है। वह राजकोष में आने व उससे खर्च होने वाले पैसों का हिसाब–किताब प्रस्तुत करता है तथा एक–एक पाई खर्च करने की सदन से अनुमति लेता है। भले ही बजट बहुमत के बल से पास होता है, फिर भी यह संवैधानिक व्यवस्था राज्य और प्रशासन को एक मर्यादा में बांधे रखती है। भारतीय संसदीय शासन प्रणाली की मूल आत्मा सामूहिक मंत्रिपरिषद् उत्तरदायित्व की है। भारत के संविधान के अनुच्छेद १६४ के अनुसार मंत्रीपरिषद् विधान सभा के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होती है। इसका अर्थ है कि कोई भी नीति, योजना या वित्तीय प्रस्ताव किसी एक मंत्री की व्यक्तिगत सोच नहीं, बल्कि पूरी सरकार के विचार–विशेष और स्वीकृति का परिणाम होता है। वह पूरी मंत्रिपरिषद् द्वारा स्वीकृत दस्तावेज होता है, जो अंततः सदन द्वारा पारित होकर ही प्रभावी बनता है।

ब्रिटन की संसद में चांसलर ऑफ़ द एक्स्पेचेकर आई प्रपोज या आई अनाउन्स जैसे शब्दों का प्रयोग करते हैं। लेकिन वहां अब भी राज्य सत्ता राजा या रानी में निहित है भले ही वह अलंकारिक हो। मगर भारत का संविधान यहां की सत्ता नागरिकों के हाथ में देता है। इसीलिए व्यक्तिगत नेतृत्व की छवि गढ़ने के लिए संसदीय मंच का प्रयोग मर्यादित होना चाहिए। लोकतंत्र में संस्थाओं की प्रतिष्ठा व्यक्ति से ऊपर मानी जाती है। यदि बजट को व्यक्तिगत घोषणा–पत्र की तरह प्रस्तुत किया जाने लगे, तो इससे संस्थागत संतुलन कमजोर पड़ सकता है। वित्त मंत्री सरकार के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में बोलते हैं। किन्तु लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी केवल वैधानिकता नहीं, बल्कि संवैधानिक शिष्टाचार और राजनीतिक संस्कृति भी होते हैं। यदि भाषा में सामूहिकता का बोध झलके, तो वह संसदीय गरिमा के अधिक अनुकूल होता है। प्रश्न यह नहीं है कि मैं कहना अपराध है या नहीं; प्रश्न यह है कि क्या हम लोकतंत्र को व्यक्तियों के इर्द–गिर्द देखना चाहते हैं या संस्थाओं के माध्यम से? बजट भाषण की भाषा इसी व्यापक विमर्श का संकेतक बन जाती है। क्या यह अन्यायशाय है कि वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण के में अपने मैं के साथ इस पुरानी सूक्ति को उद्धृत किया: राजा प्रजा सुखे सुखम्, प्रजानाम् च हितं हितम् और कहा शासक का सुख प्रजा के सुख में है तथा हित भी प्रजा के हित में निहित है। प्रजा और नागरिक दोनों शब्द राज्य और व्यक्ति के संबंध को व्यक्त करते हैं, लेकिन इनके अर्थ, संदर्भ और भाव अलग–अलग हैं, जो शासन–व्यवस्था का अंतर दर्शाते हैं। प्रजा शब्द मुख्यतः राजशाही तंत्र से जुड़ा है। इसमें राजा सर्वोच्च होता है और व्यक्ति को उसके अधीन रहने वाले लोग प्रजा कहलाते हैं। नागरिक शब्द लोकतंत्र से संबंधित है। इसमें जनता ही सर्वोच्च मानी जाती है और उसके सदस्य नागरिक कहलाते हैं। अधिकारों की दृष्टि सेप्रजा के अधिकार सीमित होते थे। राजा की इच्छा ही सर्वोपरि होती है। कर्तव्यों की दृष्टि से प्रजा का मुख्य कर्तव्य राजा के आदेशों की पालना करना होता है। बजट भाषण में जिस उक्ति का उपयोग किया गया वह तब की है जब प्रजा और शासक का संबंध अधीनता का था। गणतांत्रिक भारत में नागरिक और राज्य का संबंध सहभागिता और समानता का है। नागरिक शासन–निर्माण में भाग लेता है और अपने भाग्य का खुद निवृत्ता होता है। दोनों में भावनात्मक और वैचारिक अंतर है। प्रजा शब्द में दासता या अधीनता का भाव निहित रहता है जबकि नागरिक शब्द में गरिमा, अधिकार और जिम्मेदारी का भाव समाहित होता है। इसलिए प्रजा वह है जो राजा के अधीन रहती है, जबकि नागरिक वह है जो लोकतांत्रिक राज्य का समान अधिकारों वाला सदस्य होता है। आधुनिक भारत में हम प्रजा नहीं, बल्कि संविधान द्वारा संरक्षित अधिकारों से युक्त नागरिक हैं। हम भारत के लोगों ने संविधान के माध्यम से स्वयं को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया। संविधान ने व्यक्ति की गरिमा, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व को राष्ट्र–जीवन की आधारशिला बनाया। परंतु संविधान की औपचारिक स्थापना और उसके मूल्यों का सामाजिक अल्पसंख्यत–दो अलग प्रक्रियाएं हैं। यही वह अंतराल है जहां सामंती मानसिकता बार–बार सिर उठाती दिखाई देती है। समाज में उपरती अहंकारी सामंती प्रवृत्तियां अक्सर सहाे पर मामूली सांस्कृतिक या व्यवहारगत विचलन के रूप में दिखाई देती हैं, जैसे भाषा में दंभ, पद और वंश का अनावश्यक प्रदर्शन, सत्ता के प्रति अंध–निष्ठा, या सामाजिक श्रेणियों के आधार पर श्रेष्ठता–बोधा किंतु इतिहास साक्षी है कि ऐसी प्रवृत्तियां धीरे–धीरे सामूहिक मानस में गहराई तक पैठ जाती हैं और अंततः लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती बन जाती हैं। सामंतवाद केवल आर्थिक या राजनीतिक संरचना नहीं, बल्कि एक मानसिक संरचना भी होती है। इसमें व्यक्ति अपनी पहचान को जन्म, वंश, पद या शक्ति से जोड़कर देखता है। आधुनिक लोकतंत्र इसके विपरीत नागरिकता–आधारित समानता पर टिका होता है। अहंकारी सामंती प्रवृत्तियां अक्सर प्रतीकों के माध्यम से पुनर्जीवित होती हैं जैसे उपाधियों का प्रदर्शन, शक्ति का राजवंजक प्रदर्शन, सामाजिक दूरियां या यह विश्वास कि कुछ लोग स्वभावतः शासक और अन्य स्वभावतः शासित हैं। ये प्रवृत्तियां लोकतांत्रिक संवाद की जगह अनुशासन और अधीनता को महत्व देती हैं। भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है, परंतु लोकतांत्रिक संस्कार अभी भी समाज के हर स्तर तक समान रूप से नहीं पहुंचे हैं। चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ी है, पर लोकतांत्रिक चेतना–अर्थात असहमति को स्वीकार करना, आलोचना को स्थान देना, और संस्थाओं का सम्मान करना–अब भी संभट में है।जब व्यक्ति लोकतंत्र को केवल मतदान तक सीमित समझता है और रोज़मर्रा के व्यवहार में समानता व संवेदनशीलता को नहीं अपनाता, तब सामंती सोच पुनः सक्रिय हो जाती है। औसतजनिक जीवन में आलोचना को व्यक्तिगत अपमान मान लेना या सत्ता–सम्पन्न व्यक्ति के प्रति प्रश्न उठाने को 'अवज्ञा' समझना लोकतांत्रिक नहीं, सामंती प्रवृत्तियां हैं। जब लोग व्यक्तिगत करिश्मे को संस्थागत प्रक्रियाओं से ऊपर रखने लगते हैं तब संस्थाओं पर विश्वास होने लगता है। आलोचना का दमन होता है और असहमति को देश–विरोध या सामाजिक विद्रोह करार दिया जाने लगता है और वंश या पद के आधार पर विशेषाधिकार को नैसर्गिक मान लिया जाता है। ये संकेत अघनीता है कि लोकतंत्र केवल संविधान में सुरक्षित नहीं रह सकता, उसे समाज के व्यवहार में भी सुरक्षित रखना होता है। मानवीय गरिमा का सम्मान तभी बना रह सकता है जब सामाजिक व राजनीतिक नेतृत्व प्रतीकात्मक सामंती प्रदर्शन से बचे और सादरता व जवाबदेही को अपनाये। भारत में जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र और वर्ग के आधार पर नई–नई पहचानों का उभार होता नजर आता है। पहचान का उभार सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक भी बन सकता है, किंतु जब यह प्रवृति मानवीय मूल्यों से ऊपर उठकर राजनीतिक वर्चस्व का माध्यम बन जाती है, तब वह विभाजनकारी भी हो जाती है।

—**अतिथि संपादक,**
राजेन्द्र बोड़ा
(**वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक**)

राशिफल

बुधवार १८ फरवरी, 2०२६

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, बुधवार, विक्रम संवत् २०८२, शतभिषा नक्षत्र रात्रि ९:१६ तक, शिव योग रात्रि १०:४५ तक, बव करण सायं ४:५८ तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-कुम्भ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह आज सायन मीन में सूर्य प्रवेश रात्रि ९:२२ पर करेगा। आज चन्द्र दर्शन दक्षिण श्रृंगोन्ति, पंचक है। आज से बसन्त ऋतु आरम्भ होगी। **श्रेष्ठ चौघड़िया:** लाभ-अमृत सूर्योदय से ९:५३ तक, शुभ ११:१७ से १२:४१ तक, चर ३:२९ से ४:५३ तक, लाभ ४:५३ से सूर्यास्त तक। **राहूकाल:** १२:०० से १:३० तक। सूर्योदय ७:०५, सूर्यास्त ६:१६

मेघ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संपातित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।

तुला
परिवार में शुभ-मांगलिक कारा सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लेंगीं। आवश्यक कार्यों शीघ्रता/सुगमता से बनने लेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्यों बनने लेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

धनु
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वातां सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। अज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

अध्ययन के लिए पुरातत्व विभाग से वैज्ञानिक उत्खनन की मांग की गई थी और भारतीय पुरातत्व विभाग के गोविन्द म्हावा व मनोज द्विवेदी ने इस शिवालय का अवलोकन भी किया था। इसकी बड़े आकार की ईंटों के आधार

पर इसे १८०० से २२०० साल के बीच में निर्मित होने की संभावना है। पुरातत्व विभाग यहां के कलात्मक खण्डित शिवलिंग को किसी म्यूजियम में रखने के लिए ले जाना चाहता था, लेकिन स्थानीय लोगों व पुरातत्व से जुड़े लोगों ने इसका विरोध किया, जिससे शिवलिंग उसी हालत में है।

पुरातत्व विभाग की टीम के सर्वे से उम्मीद थी कि जिले की इस महत्वपूर्ण पुरा संपदा का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार होगा, लेकिन अभी तक निराशा ही हाथ लगी है। खंडेरिया महादेव मंदिर प्राचीन बाणगंगा नदी के किनारे पर बना हुआ है जो अब मलबे में तब्दील हो गया है। यहां पास ही में रॉक पेंटिंग भी मिली है, जिससे इस स्थान के अति प्राचीन होने की संभावना है। इस प्राचीन स्थल के नजदीकी पौराणिक स्थानों में भाला कुई व सीता कुंड धार्मिक आस्था स्थल है।

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अंगणल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगो।

उचित मूल्य के अभाव में तरक्की से दूर किसान

कृषि विकास का एक दशक.....



पंकज मीणा

देश में कुछ क्षण ऐसे भी आए जब प्याज की बढ़ती कीमतों से सरकारें अस्थिर हो जाती थीं अथवा टमाटर, लहसुन का आम आदमी की पहुंच से दूर होने के नाम पर राजनीति होती थी। शहरों के नजदीक का किसान बाजार आसानी से उपलब्ध होने के कारण सब्जी की खेती की और आकर्षित होता है, आसानी से बाजार उपलब्धता के अलावा तुरंत नकदी हाथ में आना भी प्रमुख कारण है। जहां सब्जी की खेती करने से तुलनात्मक लाभ अधिक होता

है वहीं लागत मूल्य भी बढ़ जाता है तथा ताजगी कुछ घंटे ही बने रहने के कारण जोखिम भी बढ़ जाता है। परंतु फिर भी १० वर्षों में किसानों की मेहनत और सरकार के सहयोग से उत्पादन और प्रति हैक्टयर उत्पादकता में बढ़ोतरी हुई है। सरकार उत्पादन बढ़ाने हेतु बहुत सी योजना बनाती है परंतु उपज का उचित मूल्य न मिलने से किसानों को समूचित लाभ नहीं मिल पा रहा है।

गत कुछ वर्षों पर नजर दोड़ाये तो ध्यान में आता है कि खेती किसानी पर चर्चाएकम हो गई है, सेमीनार कॉन्क्लेव बंद हो गए हैं यहां तक की किसान संगठन कमजोर हुए जिससे किसानों की आवाज उठाना व उसके लिए संघर्ष करना समाप्त हो चुका है।कुलमिलाकर खेती किसानी और किसान हाशिये पर है। आंकड़ों की ओर देखे तो राजस्थान में सब्जियों का उत्पादन वर्ष २०१४-१५ में १४ लाख ३३ हजार मेट्रिक टन था वो २०२२-२३ बढ़कर २३ लाख ३५ हजार मेट्रिक टन हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसानों की आय दुगुनी करने के लक्ष्य में उत्पादन

२०१४-१५ में सब्जियों का उत्पादन प्रति हैक्टेयर पर ९३१२ किलो था जो कि २०२२-२३ में बढ़कर १२११६ किलो हो गया अर्थात उत्पादकता में ३० प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है सरकार की सकारात्मक प्रयास व किसान की मेहनत से उत्पादन दुगुना हुआ है और प्रति हैक्टेयर उपज में ३० प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, परंतु उचित भाव न मिलने से किसान खुशहाली है दूर है।

कृषि कार्य को किसान के नजरिए से तीन भागों में बांटा जा सकता है।प्रथम बुवाई अर्थात भूमि में बीज बोने से पूर्व खेत तैयार करना और बीज की बुवाई। दूसरा २-६ माह तक किसान फसल को अपनी कला व मेहनत से तैयार करता है फिर कटाई के उपरांत फसल को विपरीत परिस्थिति में हाडतोड़ मेहनत करने वाले किसाने को उस २० रू. में से केवल ५ रू. ही मिल रहे हैं। और उस ५रू. में ही किसान अगली फसल भी करेगा अपने परिवार का पेट भी पालेगा और अपने बच्चों का भविष्य सुनिश्चत भी करेगा। सरकारों के प्रयास से उत्पादन व उत्पादकता बढ़ी है जहां

सुविधा, तकनीक और किसान की मेहनत में कोई कमी नहीं है, इसलिए उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी हुई है। परंतु अंतिम भाग फसल को बाजार में बेचकर उचित मूल्य को प्राप्त करने में किसान पिछड रहा है, तैयार उपज का उचित मूल्य प्राप्त करने में यहां परिवहन, मंडी/बाजार में महत्वपूर्ण कारक तो वहीं तैयार फसल (फल/सब्जी) का परिरक्षण भी एक बड़ी समस्या है। भारत में परीरक्षण के अभाव में ४०-६० प्रतिशत फसल ही थाली तक पहुंचती है, सरकार किसान की फसल बिक्री की कोई मजबूत व्यवस्था तैयार करें जिससे किसान की बिक्री मूल्य और उपभोक्ता के खरीद मूल्य में ज्यादा अंतर न हो। साथ ही जल्द खराब होने वाली फसलों के परीरक्षण के लिए सरकार उद्योग स्थापित करने हेतु निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करे तो निश्चित ही फल सब्जी उत्पादक किसान के जीवन में सुखद बदलाव देखने को मिलेगा।

—**पंकज मीणा,**

प्रदेश प्रवक्ता, भाजपा

राष्ट्रीय गीत का सम्मान भारत के संविधान के प्रति आभार जताना है

किया जाएगा।

धारा ३ के शीर्षक को केवल २४ जनवरी, १९५० की संविधान सभा की बहस की कार्यवाही पर ध्यान देकर ही समझा जा सकता है, यह ऐतिहासिक फैसला जन गण मन और वंदे मातरम के दर्जे को साफ़ समझ और तारीफ़ का आधार और बुनियाद है।२४ जनवरी १९५० को संविधान सभा के प्रेसिडेंट डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने यह बयान दिया था, जिसे राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत पर आखिरी फैसले के तौर पर भी अपनाया गया:—

...जन गण मन के नाम से जाने जाने वाले शब्दों और संगीत से बनी रचना भारत का राष्ट्रगान है, जिसमें ज़रूरत पड़ने पर सरकार जो भी बदलाव करने की इजाजत दे सकती है, उसके अधीन है, और वंदे मातरम गीत, जिसने भारतीय आजादी की लड़ाई में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है, उसे जन गण मन के बराबर सम्मान दिया जाएगा और उसके बराबर दर्जा दिया जाएगा।

यह बात कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम पर कोई कानूनी नियम नहीं है, गलत, बेतुकी और गुमराह करने वाली है। यह बात हो सकती है कि १९७१ में राष्ट्रीय गीत का साफ़ तौर पर जिक्र नहीं है। एक १९७१ के संवैशन तीन की हेडिंग में इस्तेमाल किया गया शब्द आदि मतलब निकालने के लिए कानूनी तरीकों की ज़रूरत है। इस विषय पर गाइड करने के लिए एजुडेड जेनेरिस का सिद्धांत लॉजिकल नतीजे को समझने में मदद करता है

दूसरा तर्क यह है कि आर्टिकल १९ में इस बात के लिए युक्तायुक्त पाबंदियां हैं कि युक्तायुक्त पाबंदियां कानून के तौर पर लगाई जा सकती हैं, न कि एजौक्युटिव ऑर्डर से, यह खड़क सिंह केस में तय किया गया था।

राष्ट्र गीत कानूनी ज़रूरत को पूरा करते हैं, क्योंकि अधिनियम १९७१।राष्ट्रगान को कानूनी सुरक्षा देता है और आदि

जबकि बाकी सभी धर्म गलत हैं। मुसलमानों का मानना ​​है कि जो कोई भी इस्लाम के सिद्धांतों में विश्वास नहीं करता, वह काफ़िर है और उसे मुसलमानों के साथ भाईचारे का हक नहीं है। राष्ट्रगीत का विरोध विरोधियों के जरिए सच हो रही चिंताओं की झलक है।

८ दिसम्बर १९४८ को कॉन्स्टिट्यूट एसेंबली की बहस के दौरान एस संधानम ने कहा कि ऐतिहासिक एसमिलेशन भारतीय सभ्यता की खासियत रही है, इसलिए राष्ट्र गीतवंदे मातरम का विरोध ऐतिहासिक एसमिलेशन की फिलॉसफी के खिलाफ़ है। फिर, २१ जनवरी १९४७ को कॉन्स्टिट्यूट एसेंबली में ऑब्जेक्टिव रेजोल्यूशन पर हुई बहस के दौरान आर. धुलेकर ने कहा कि भारतीय बाबर, हुमायूं और अकबर को उसी हद तक अपना मानते हैं, जिस हद तक वे खुद को भारत से जोड़ते हैं।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्डइस्लाम उस विचार को फालो करता है जो एंटी-सोशल, अनडेमोक्रेटिक और एंटी-नेशनल है और साथ ही कॉन्स्टिट्यूशनल मोरेलिटी के प्रिंसिपल्स के भी खिलाफ़ है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्डका विरोध हिस्टोरिकल एसमिलेशन प्रोसेस के भी खिलाफ़ है, यह एक पॉलिटिकल एजेंडा है जिसका नतीजा कश्मीर में जेनोसाइड जैसा होता है।

हिस्टोरिकल एसमिलेशन प्रोसेसका मकसद मेलजोल, आपसी सम्मान सीखना है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्डबैयकाब हो गया है और जिन्ना की तरह बताव कर रहा है जिसने बंटवारे के बीज बोए थे, जिसका नतीजा यूनाइटेड इंडिया का बंटवारा था। नंदलाल बोस की लिखी कॉन्स्टिट्यूशन की कैलिग्राफी कॉपी को दिखाने वाले एक इलस्ट्रेशन में

नौखाली दंगों का जिक्र है, जो याद दिलाता है कि भारत को बांटने की आगे की सभी कोशिशों को शुरू में ही खत्म कर देना चाहिए। साथ ही, भारत के संविधान की कैलिग्राफी कॉपी में भारत का विवरण मंदर इंडिया – भारत माता के रूप में है, जिसका मतलब है कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस और दूसरे फ्रीडम फाइटर्स भारत माता को आजाद कराने के लिए भारत के बाहर से लड़ रहे थे (हिंदी में भारत माता), नेताजी बोस को दिखाने वाले इलस्ट्रेशन का विवरण है। इसलिए वंदे मातरम भारत माता की प्रशंसा, स्तुति है। यहीनहींभारत को आजादी मिलने पर आधी रात को कॉन्स्टिट्यूट एसेंबली की प्रोसिडिंग्स में बताया गया है कि पहला एजेंडा सुचेता कृपलानी द्वारा वंदे मातरम का गायन था।

राष्ट्रगान बजाते या गाते समय सावधान की मुद्रा में खड़े होने केविषय पर दुनिया का नज़रिया १९८७ में ७६ (ए) ७४८ बिजो इमैनुएल और अन्य, अपीलेट बनाम केरल राज्य और अन्य, रेस्पोंडेंट में भी बताया गया है। डोनाल्ड बनाम हैमिल्टन बोर्ड एजुकेशन, (१९४५ ऑटोरियो) में झंडे को सलामी देने और राष्ट्रगान गाते पर आपत्ति के एक मामले में, जस्टिस गिल्लर्डस ने कहा :

“... मेरे लिए, झंडे को सलामी देने या राष्ट्रगान गाने का आदेश किसी भी जबरदस्ती किए गए धार्मिक काम में शामिल न होने का आदेश होगा, बल्कि, सही नज़रिए से देखा जाए तो, एक उलटे सिद्धांत के सम्मान में शामिल होना होगा, यानी, एक ऐसे देश और राष्ट्र का सम्मान करना जो धार्मिक आजादी के लिए खड़ा है, और यह सिद्धांत कि लोग अपनी मर्जी से पूजा कर सकते हैं, या बिल्कुल नहीं कर सकते।”

—**सूर्य प्रताप सिंह राजावत,**
अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर

बूंदी में अस्तित्व खो रहा है एकमुखी शिवलिंग वाला दो हजार साल पुराना मंदिर

सर्वेक्षण के बावजूद पुरातत्व विभाग ने प्राचीन शिवमंदिर की सुध नहीं ली

बूंदी, (निर्सं।) क्षेत्र के प्रसिद्ध प्राकृतिक एवं पौराणिक धार्मिक आस्था स्थल भीमलत महादेव के निकट शिव मंदिर मलबे में तब्दील हो गया है तथा कलात्मक एक मुखी शिवलिंग खण्डित अवस्था में है। इस शिवलिंग पर शिव की ध्यान योग मुद्रा में सुंदर प्रतीमा उत्कीर्ण है।

लंबे समय से इस मंदिर के खंडित शिवलिंग की पुनर्स्थापना एवं जीर्णोद्धार के लिए भारतीय पुरातत्व विभाग को

अवगत कराया गया था, लेकिन किसी ने इस कार्य में गंभीरता नहीं दिखाई। इस ध्वस्त शिवालय एवं खण्डित आसमकद एकमुखी शिवलिंग के कारण इस स्थान का नाम खंडेरिया पड़ा। यहां पर एक छोटी बस्ती भी है, जिसका नाम भी इसी मंदिर के कारण खंडेरिया है। मंदिर का निर्माण गोलाकार में हुआ था और आशंका जताई जा रही है कि इसे विदेशी आक्रांताओं ने ध्वस्त किया होगा। इस शिवलिंग व शिवालय के

■ **भीमलत महादेव के निकट शिव मंदिर मलबे में तब्दील हो गया है**

अध्ययन के लिए पुरातत्व विभाग से वैज्ञानिक उत्खनन की मांग की गई थी और भारतीय पुरातत्व विभाग के गोविन्द म्हावा व मनोज द्विवेदी ने इस शिवालय का अवलोकन भी किया था। इसकी बड़े आकार की ईंटों के आधार

पर इसे १८०० से २२०० साल के बीच में निर्मित होने की संभावना है। पुरातत्व विभाग यहां के कलात्मक खण्डित शिवलिंग को किसी म्यूजियम में रखने के लिए ले जाना चाहता था, लेकिन स्थानीय लोगों व पुरातत्व से जुड़े लोगों ने इसका विरोध किया, जिससे शिवलिंग उसी हालत में है।

पुरातत्व विभाग की टीम के सर्वे से उम्मीद थी कि जिले की इस महत्वपूर्ण पुरा संपदा का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार होगा, लेकिन अभी तक निराशा ही हाथ लगी है। खंडेरिया महादेव मंदिर प्राचीन बाणगंगा नदी के किनारे पर बना हुआ है जो अब मलबे में तब्दील हो गया है। यहां पास ही में रॉक पेंटिंग भी मिली है, जिससे इस स्थान के अति प्राचीन होने की संभावना है। इस प्राचीन स्थल के नजदीकी पौराणिक स्थानों में भाला कुई व सीता कुंड धार्मिक आस्था स्थल है।

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



पंडित अनिल शर्मा

गृह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-कुम्भ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह आज सायन मीन में सूर्य प्रवेश रात्रि ९:२२ पर करेगा। आज चन्द्र दर्शन दक्षिण श्रृंगोन्ति, पंचक है। आज से बसन्त ऋतु आरम्भ होगी। **श्रेष्ठ चौघड़िया:** लाभ-अमृत सूर्योदय से ९:५३ तक, शुभ ११:१७ से १२:४१ तक, चर ३:२९ से ४:५३ तक, लाभ ४:५३ से सूर्यास्त तक। **राहूकाल:** १२:०० से १:३० तक। सूर्योदय ७:०५, सूर्यास्त ६:१६

मेघ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संपातित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।

तुला
परिवार में शुभ-मांगलिक कारा सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लेंगीं। आवश्यक कार्यों शीघ्रता/सुगमता से बनने लेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्यों बनने लेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

धनु
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वातां सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। अज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्यों बनने लगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहे।

कुंभ
मानसिक तनाव दूर होने लगेगा। मन:स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठी

पीएम मोदी के 2 8 फरवरी को प्रस्तावित अजमेर दौरे को लेकर तैयारियां शुरु

आईजी, जिला कलैक्टर व एसपी ने कायड़ विश्राम स्थली का दौरा किया

अजमेर, (कासं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 28 फरवरी को प्रस्तावित अजमेर दौरे और कायड़ विश्रामस्थली पर होने वाली विशाल जनसभा को लेकर तैयारियां युद्धस्तर पर शुरु हो गई हैं। मंगलवार को आईजी, जिला कलैक्टर लोकबंधु व एसपी वंदिता राणा ने कायड़ विश्राम स्थली का दौरा किया और अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। साथ ही जिम्मेदारियों भी सौंपी है।

वहीं व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने और तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए मुख्य सचिव बी. श्रीनिवास और डीजीपी राजीव कुमार शर्मा बुधवार को अजमेर पहुंचेंगे। दोनों उच्चाधिकारी कायड़ विश्रामस्थली का बारीकी से निरीक्षण करेंगे और प्रशासनिक व विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर सुरक्षा व अन्य इंतजामों पर चर्चा करेंगे।

अधिकारियों की टीम तैनात, जिम्मेदारी सौंपी:-जिला कलेक्टर लोकबंधु ने आयोजन की भय्यता और सुचारु संचालन के लिए अधिकारियों



पीएम नरेन्द्र मोदी के अजमेर दौरे को लेकर अधिकारियों ने कायड़ विश्राम स्थली का दौरा किया।

की टीम तैनात कर दी है। मंगलवार को आईजी, कलेक्टर व एसपी ने कायड़ विश्राम स्थली का दौरा कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। साथ ही जिम्मेदारियां भी सौंपी है, जिनमें एडीए आयुक्त नित्या के, सचिव

अनिल पूनिया और पी डब्ल्यूडी विभाग के एस ई अशोक तंवर को मुख्य प्रबंधन की जिम्मेदारी, नगर निगम आयुक्त देशलदान, एडीएम सिटी नरेन्द्र कुमार मीणा, एसई पीएचआई रामचन्द्र और डिस्कॉम के

एसईएन, सीईओ जिला परिषद राम प्रकाश और आरटीओ सुभान भाटी को व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी। एसपी बंदिता राणा के अनुसार कायड़ विश्रामस्थली को पूरी तरह सुरक्षा घेरे में ले लिया गया है। हैलीपैड, पार्किंग

- व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के लिये मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और डीजीपी राजीव कुमार शर्मा आज अजमेर पहुंचेंगे
- कायड़ विश्राम स्थली का निरीक्षण और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर सुरक्षा व अन्य इंतजामों पर चर्चा करेंगे मुख्य सचिव और डीजीपी

और बीआईपी आवास क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए एडीए व पीडब्ल्यूडी की विशेष टीमें बनाई गई हैं। सभा स्थल और आसपास के क्षेत्रों में 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है ताकि सुरक्षा में कोई चूक न हो।

साध्वी प्रेम बाईसा मृत्यु प्रकरण में कंपाउंडर के खिलाफ केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। कथावाचक प्रेम बाईसा की मौत का प्रकरण का खुलासा तीन दिन पहले हो गया था। उनकी मौत अस्थमा और कार्डियक अरेस्ट हुई थी। पुलिस को मेडिकल रिपोर्ट पर संशय बना रहने से दुबारा रिपोर्ट के साथ कुछ सवालों के जवाब बोर्ड से मांगे गए थे। बोर्ड द्वारा जवाब मिलने के बाद रिपोर्ट एसआईटी ने अपने उच्चाधिकारियों को सोमवार सौंप दी। देर रात उच्चाधिकारियों के निर्देश पर कंपाउंडर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया। हालांकि गिरफ्तारी पूर्ण जांच पड़ताल के बाद ही संभव है।

पुलिस उपायुक्त विनीत कुमार बंसल के अनुसार केस दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी नहीं हुई है। जांच और अंतिम अनुसंधान के बाद गिरफ्तार किया जा सकता है। एसआईटी अपनी जांच कर रही है। इधर प्रकरण दर्ज होने के बाद से ही नर्सज कि विरोध प्रदर्शन शुरु हो

गया है। वे इसके विरोध में खड़े हो गए हैं। इसको लेकर नर्सज बड़ा निर्णय ले सकते हैं। नर्सज ने केस दर्ज को लेकर पूर्णतया गलत बताया है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने प्रेम बाईसा की मौत की वजह अस्थमा और कार्डियक अरेस्ट से होना बताया था, मगर पुलिस को उनकी मेडिकल रिपोर्ट पर संशय बना रहा और कुछ प्रश्न छूटे हुए थे। जिसे मेडिकल बोर्ड से फिर से जवाब मांगा गया, जिसकी रिपोर्ट एसआईटी को सोमवार को मिली और उसे उच्चाधिकारियों को दिया गया। देर रात उच्चाधिकारियों के निर्देश पर बरेलानाडा थाने में प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस जांच पड़ताल और पूछताछ में मालूम हुआ कि साध्वी प्रेम बाईसा को दो ईजेक्शन डायनापार एवं डेक्सोना एक साथ लगाए गए थे जोकि गलत है। साध्वी प्रेम बाईसा के निधन पर

नर्सिग अधिकारी देवी सिंह राजपुरोहित के द्वारा मानवीय संवेदनाओं के दृष्टिकोण से जो सेवा की गई, उस पर मुकदमा दर्ज किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय है। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिला अध्यक्ष शंभू सिंह मेड़ुतिया ने बताया कि इस घटना से आम कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। कर्तव्य का पालन करते हुए किसी मरीज की सेवा करना यदि अपराध माना जाएगा, तो यह कर्मचारियों के मनोबल को तोड़ने वाला कदम है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा इस प्रकार की कार्रवाई पूर्णतः गलत है और कर्मचारी महासंघ इसका पुरजोर विरोध करता है। महासंघ ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस घटना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया है तथा कार्रवाई स्थगित नहीं की गई तो उठा प्रदर्शन भी किया जाएगा।

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर को एक बार फिर से बम से उड़ाने की धमकी मिली है। हाईकोर्ट प्रशासन को सुबह एक घमकी भरा ई-मेल मिला, जिसमें परिसर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। सूचना पर पुलिस और डॉंग स्व्वायड की टीमों मौके पर पहुंची। कोर्ट रूम सहित पूरी बिल्डिंग को खाली करवाया गया। हालांकि दोनों जगह सर्च में कोई संदिग्ध सामान नहीं मिला। जोधपुर डीसीपी (पश्चिम) विनीत बंसल की अगुवाई में पुलिस टीम तलाशी ली गई। करीब ढाई घंटे तक तलाशी अभियान चला। इसके बाद सवा ग्यारह बजे से जजों के कोर्ट पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। और साढ़े ग्यारह बजे से कोर्ट में सुनवाई शुरू कर दी गई। बम वैध कार्ड और पहचान पत्र के किसी भी व्यक्ति को परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई।गैटों पर चेकिंग बढ़ा दी गई और हर संदिग्ध गतिविधि पर पैनी नजर रखी जाेगी

- सूचना पर पुलिस और डॉंग स्व्वायड की टीमों ने जांच की, कोई संदिग्ध सामान नहीं मिला

सके। जयपुर बेंच में भी तलाशी ली गई, जिसमें कुछ नहीं मिला। सर्च के बाद भी बिना परिचय-पत्र के किसी भी वकील को भीतर प्रवेश नहीं दिया गया। वहीं, विभिन्न मामलों में अपनी सुनवाई के लिए पहुंचे परिवारियों को भी कोर्ट के गेट नंबर 1 से पास बनवाने के बाद ही प्रवेश दिया गया। इनके अलावा किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। बिना वैध कार्ड और पहचान पत्र के किसी भी व्यक्ति को परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई।गैटों पर चेकिंग बढ़ा दी गई और हर संदिग्ध गतिविधि पर पैनी नजर रखी जाेगी

कोटा में ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

कोटा, (निंस्)। उद्योग नगर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात्रि को ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त कंसुआ आफोडेबल योजना निवासी जितेन्द्र अजवानी के रूप में हुई है। युवक के ट्रेन की चपेट में आने की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली।

उद्योग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि सोमवार देर रात्रि को इलाके के संजय नगर पुलिसिया के पास रेलवे लाइन पर एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने की सूचना मिली, सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मृतक के शव को एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में रखवा दिया। थानाधिकारी ने

बताया कि मृतक को शिनाख्त कंसुआ आफोडेबल योजना निवासी जितेन्द्र अजवानी (40) के रूप में हुई। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक की शिनाख्त होने के बाद मृतक के परिजनों की मौजूदगी में मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। थानाधिकारी ने बताया कि फिलहाल मामले में कोई कारण सामने नहीं आया। घटना किन कारणों के चलते हुई, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। उद्योग नगर थाने के एसएसआई मोहम्मद अनवर ने बताया कि मृतक कापड़ की दुकान पर काम करता था। वह रेलवे ट्रैक तक कैसे पहुंचा हर पहलू की जांच की जा रही है।

श्रीगंगानगर जिले में मौसम बदला, बूदाबांदी हुई

श्रीगंगानगर, (निंस्)।जिले में मंगलवार सुबह मौसम अचानक से बदल गया। सुबह 12 बजे ग्रामीण इलाकों में हल्की बूदाबांदी हुई, जिससे मौसम सुहावना हो गया।

मौसम बदलने के बाद जिलेभर में बावलों की आवाजही का दौर जारी है। कभी धूप निकल रही है तो कभी बादल छा रहे हैं। इसके साथ ही तेज हवाएं भी चल रही हैं। जिले में बारिश की संभावना है। हालांकि, मौसम विभाग के अनुसार 3 दिन बाद 20 फरवरी के बाद से तेज गर्मी का दौर शुरू होगा। मौसम राइजर एजेंट्स, श्रीगंगानगर पर न्यूनतम तापमान 14.5 डिग्री रिकार्ड किया गया। सोमवार को न्यूनतम तापमान 30.7 डिग्री और अधिकतम तापमान 30.7 डिग्री रिकार्ड किया गया।

वहीं, रविवार को यहां न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री और अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री रिकार्ड किया गया था। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होने से मौसम विभाग ने 18 फरवरी को श्रीगंगानगर जिले में हल्की बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान आसमान में बादलवाही का दौर भी जारी रहेगा। इस दौरान तेज हवाएं चलेंगी और बारिश होगी। बारिश के बाद से मौसम में हल्की गिरावट आने की संभावना है।

अजमेर में कच्ची बस्तियों में रहने वाले लोगों ने पट्टे देने की मांग की

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिला कांग्रेस कमेटी के कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ के बैनर तले मंगलवार को कच्ची बस्तियों में रहने वाले लोगों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कच्ची बस्तियों से रैली निकालकर कलेक्ट्रेट तक मार्च किया। कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद लोगों ने धरना दिया और अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। कांग्रेस पार्टी एवं समाजसेवी हेमराज खारोलिया ने बताया कि धरना-प्रदर्शन के बाद कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्टर लोकबंधु को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कच्ची बस्तियों में रहने वाले लोगों की समस्याओं और मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने की अपील की गई। इस धरना-प्रदर्शन में अजमेर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जेजाल, डॉ श्रीगोपाल बाहेती, द्रोपदी कोठरी, हेमराज खारोलिया सहित कई कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने कच्ची बस्ती में रहने वाले परिवारों के अधिकारों और सुविधाओं को लेकर एकजुटता दिखाई और प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की।

कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ अजमेर के



अजमेर में कच्ची बस्तियों में रहने वाले लोगों ने मांगों को लेकर प्रदर्शन कर नारेबाजी की।

जिला अध्यक्ष डॉ. दीनदयाल पंवार ने बताया कि कच्ची बस्तियों में रहने वाले कई परिवार पिछले कई वर्षों से वहीं निवास कर रहे हैं। इन बस्तियों में बिजली, पानी, शौचालय, सड़क, स्कूल और राशन जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि इनका निवास स्थायी रूप से स्थापित हो चुका है। इसके बावजूद आज तक इन परिवारों को उनके मकानों के कानूनी पट्टे प्रदान नहीं किए गए हैं। पट्टे नहीं होने के कारण इन लोगों को हर समय बेदखली का डर बना रहता है और वे अपने भविष्य को लेकर

असुरक्षित महसूस करते हैं। जिला अध्यक्ष ने बताया कि 200 फीट रोड को ईर्दगह और रातीडोंग क्षेत्र से दूर किया जाए, ताकि जिन लोगों के मकान इस रोड निर्माण के कारण टूटने की स्थिति में हैं, उन्हें बचाया जा सके। उनका कहना है कि रोड की दिशा में बदलाव कर लोगों के घरों को सुरक्षित रखा जा सकता है।

उन्होंने यह भी बताया कि अजमेर में कई कच्ची बस्तियां ऐसी हैं, जिनका आज तक न तो अजमेर विकास प्राधिकरण (एडीए) और न ही नगर निगम में कोई रजिस्ट्रेशन हुआ है। उन्होंने मांग

- शांतियों ने बड़े मुनाफे का लालच दिया, तीन कंपनियों के खिलाफ केस दर्ज

फायर्स सिक्योरिटीज के नाम की कंपनी का विज्ञापन देखा था, जोकि खुद को सेबी से कनेक्ट और शेयर बाजार में अच्छे रिटर्न की बात बता रहा था। इस पर बाद में उसके द्वारा ग्युप को ज़ाइन किया गया और एक महिला नैना वर्मा, जिसने खुद को कंपनी का सहायक बताया था और कॉल किया। उसने बातों में उलझाने के साथ इन्वेस्टमेंट के नाम पर बात की। उसने फिर सर्विस मैनेजर विक्रम नायर से बात

करवाई। इनकी बातों में आकर उसने 75 लाख 85 हजार 820 रूपए इन्वेस्ट कर दिए। जोकि बाद में मुनाफ के तौर पर 9 करोड़ 33 लाख 65 हजार रूपए बता रहे थे। मगर इन रूपयों को विडाल करने के लिए उसे 1.95 लाख रूपए मांगे गए। नैना वर्मा ने अपनी तरफ से 30 लाख और कंपनी की तरफ से 80 लाख रूपए ख़ाते में डालना बताया। मगर 9 करोड़ विडाल करने के लिए वापिस उक्त रकम को डालने को कहा गया। फिर उसने इधर-उधर से कर रूपए उकने ख़ाते में भिजवाया।

26 घरेलू गैस सिलेंडर व अन्य उपकरण जब्त

अलवर, (निंस्)। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिक शुक्ला के निर्देशन में घरेलू गैस की अवैध गैस रिफिलिंग एवं व्यावसायिक कार्य में दुरुपयोग को रोकने हेतु गठित जांच दल द्वारा अलवर शहर एवं कदमर क्षेत्र में कार्रवाई कर 26 घरेलू गैस सिलेंडर व अन्य उपकरण जब्त किए गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला रहस्य अधिकारी विनोद चुनेजा ने बताया कि टीम द्वारा दादपुर निवासी मिथलेश उर्फ बिहारी जिनकी अग्रसेन सर्किल के समीप पुल के नीचे दुकान संख्या 34 एवं 35 पर जांच करने पर घरेलू गैस सिलेंडरों से वाहनों में गैस रिफिलिंग का अवैध कार्य किया जाना पाया गया। इस पर टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए 26 गैस सिलेंडर व मय 4 मोटर, 9 रेयूलेटर, 2 कांटा एवं 2 बांसरीनुमा यंत्रा जब्त कर सुरक्षा की दृष्टि से मैसर्स मॉर्डेन गैस एजेंसी के प्रतिनिधि को सुपुर्द किया गया।

इसी प्रकार मैसर्स अंजली भारत गैस एजेंसी थूनरोड तसई कदमूर में जांच के दौरान स्टॉक एवं वितरण से संबंधित विभिन्न अनियमितताएं पाई गईं। उन्होंने बताया कि जिले में घरेलू गैस के व्यावसायिक कार्य में दुरुपयोग को रोकने हेतु आगामी दिवसों में भी कार्रवाई निरन्तर जारी रहेगी।

रूपनगढ़ में नाबालिग बालिका की हत्या का खुलासा

पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर एक नाबालिग को निरुद्ध किया

- नाबालिग की गला दबाकर हत्या की थी, आत्महत्या का रूप देने के लिए फंदे से शव को लटका दिया था
- घटना के बाद आरोपी मृतका के परिजनों के बीच सहानुभूति जताकर गुमराह करता रहा

किया। मोबाइल फॉरेंसिक टीम से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए गए और मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया। प्रार्थी रामा बावरिया द्वारा पुत्री के साथ दुष्कर्म कर हत्या कर शव को फंदे पर लटकाने की आशंका जताने पर जिला पुलिस अधीक्षक अजमेर बंदिता राणा के निर्देश पर हत्या का मामला दर्ज किया गया। जांच किशनगढ़ ग्रामीण डिप्टी आयुक्त वशिष्ठ के सुपरविजन में प्रारंभ की गई। मामले के खुलासे के लिए

थाना स्तर पर विशेष टीम गठित की गई। थानाप्रभारी के नेतृत्व में एसएसआई बनवारी लाल, कांस्टेबल पिंरू सारण, मोहन सारण, परमार सहित टीम ने करीब 50 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। आसूचना संकलन, फील्ड इंटेलिजेंस और सतत निगरानी के जरिए आरोपियों तक पहुंच बनाई गई। जांच के दौरान पुलिस ने नोलाराम (23) पुत्र अरुण बागरिया निवासी नुवा को गिरफ्तार किया तथा एक नाबालिग को निरुद्ध किया। पूछताछ में आरोपी ने बालिका का गला दबाकर हत्या करना स्वीकार किया तथा हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को उसी कमरे में फंदे से लटका देने की बात कबूल की। घटना के बाद आरोपी मृतका के परिजनों के बीच सहानुभूति जताकर उन्हें गुमराह करता रहा। फिलहाल पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है और प्रकरण में अन्य पहलुओं की भी जांच जारी है।

पूरे मामले के सफल खुलासे में कांस्टेबल मोहन सारण एवं पिंरू कुमावत की विशेष भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की अनुसंधान कार्रवाई जारी है।

जमीन विवाद में फायरिंग, बाल-बाल बचा पीड़ित

कोटा, (निंस्)। ग्रामीण इलाके के सांगोद थाना इलाके में पिता व बेटे ने जमीन विवाद को लेकर पीड़ित व उसके परिजनों पर चार राउंड फायर कर दिये। अचानक हुए घटनाक्रम से अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। हमलावार चार फायर कर मौके से फरार हो गये।

घटना सांगोद थाना इलाके के घटाल गांव की है। वही फायरिंग की सूचना पाकर पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची। पीड़ित ने इसकी रिपोर्ट सांगोद थाने में दर्ज कराई है। सांगोद थाने के हेड कांस्टेबल सुभाष यादव ने बताया कि इलाके के घटाल गांव निवासी हरिप्रसाद मीणा ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में कहा कि मंगलवार को भागीरथ व उसका बेटा अरिहंत बाइक से उसके घर

- पुलिस ने हमलावरों की तलाश शुरु कर दी है

आये और घर में मौजूद उसकी साली को जमीन विवाद को लेकर धमकाने लगे। रिपोर्ट में कहा कि उसके साढ़ू महावीर की जमीन पर भागीरथ और उसका बेटा अरिहंत कब्जा करना चाहता है, उसी रंजिश जमीन विवाद को लेकर अरिहंत ने अचानक से पिस्टल से चार फायर कर दिये। गनीमत रही कि हमले में गोली किसी को भी नहीं लगी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित हरिप्रसाद मीणा की रिपोर्ट पर भागीरथ व अरिहंत के खिलाफ मामला दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरु कर दी है।

मुख्यमंत्री निःशुल्क जाँच योजना

Rajasthan Medical Services Corporation Limited, Jaipur

D-Block, Swasthya Bhawan, C-Scheme, Jaipur – 302005

Ph. No. 0141-2223887, Fax No. 0141-2228065 E-Mail – edepmmrsc-rj@nic.in

No. F-8 (J) RMSC/EP/MIH-4/NIB-933/2025-26/1696 Date : 12.02.2026

Corrigendum / Addendum

Corrigendum / Addendum Bid No. (NIB-933) for Item DEEP FREEZER for revised technical specifications has been issued. Corrigendum / Addendum details may be visited on Procurement portal website "<https://sppp.raajasthan.gov.in>" or "www.dipronline.org" or "<https://eproc.raajasthan.gov.in>" or website "<http://rmsc.health.raajasthan.gov.in>" UBN:- (M5C2526GLOB000056)

Raj.Samwad/C25/19956

Executive Director (EPM)

Office Of The District Education Officer (HQ) Secondary Jalore (Raj.)

No. deo/hq/sec/Jalore/Accounts/25-26/75 Date: 10/02/2026

NOTICE INVITING TENDER No.-5

Bid of procurement of supply of complete Gents Bicycles is inviting form interest bidders up to 23-02-2026 time 12:30 P.M. Other particulars of the bid may be visiting the on procurement portal <https://eproc.raajasthan.gov.in> & <https://sppp.raajasthan.gov.in> of the site.

S. No.	Item/Description of work	Estimated cost (In Rupees)	UBN
01.	Supply of Complete Gents Bicycles 20" (Colour Orange)	51,67,962/-	EDU2526 GLOB00136

(Bhanwar Lal Parmar)

(HQ.) Secondary, Jalore

DIPR/C/2944/2026

TEL. NO:-07469-230595

EMAIL:- xenphedhnd@yahoo.in

कार्यालय अधिशासी अभियंता जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड हिण्डौन

Notice Inviting Bid

Bids for Various work in PHED. Dn. Hindaun is invited from interested bidders. Other particulars of the bids may be visited on the procurement portal sppp.raaj.nic.in of the state and <http://eproc.raajasthan.gov.in> in departmental website.

NIB No. PHE2526A6213

S.No.	NIT No.	UBN No.
1.	51/2025-26	PHE2526 SLRC 13322
S.No.	Total Work	
1.	Total Estimated Cost	75.00 Lacs
2.	Tender Submission Start Date	10.02.2026 Upto 12:00 PM
3.	Tender Submission End Date	19.02.2026 Upto 6:00 PM
4.	Technical Bid Opening Date	20.02.2026 Upto 12:00 PM

(जय नारायण सेतौवाल) अधिशासी अभियंता जन स्वा. अभियांकि विभाग, खण्ड हिण्डौन सिटी

DIPR/C/2872/2026

कार्यालय नगर पालिका सांगोद जिला कोटा (राज.)

E-Mail Id:- np.sangod05@gmail.com Phone No.-07450-2942239

क्रमांक:-न.पा.सा. / 2026 / 463

दिनांक:-12.02.2026

निविदा-सूचना

इस कार्यलय की ई-निविदा सूचना क्रमांक 462 दिनांक 12.02.2026 के द्वारा कुल 01 कार्य की अनुमानित लागत 24.99 लाख की उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों / कर्मों / एजेंसियों / स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई निविदा से सम्बंधित समस्त विवरण <https://www.sppp.raajasthan.gov.in> एवं <https://eproc.raajasthan.gov.in> पर उपलब्ध है।

Work No.	UBN No.
1	DLB2526WWSOB34038

अध्यक्ष नगरपालिका सांगोद राज.संवाद / सी / 25 / 19918

अधिशासी अधिकारी नगरपालिका सांगोद

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

CIN:- U40102RJ2000SGCO16484 (राजस्थान सरकार का उपक्रम)

सुरतागद सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट, सुरतागद (राज.)

ऑनलाईन / ऑफलाईन निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित वार्षिक अनुबंध / कार्य / सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं:-
268(RVU2526WWSOB02321) रसायनों के नमूना संग्रह व परीक्षण, 269(RVU2526WWSOB02309) 3-Φ, 415 V एलटी मोटर्स की मरम्मत और रिपेयरिंग, 270(RVU2526WWSOB02319) एचपी और आईपी टर्बाइन, नियंत्रण और स्टीम वाल्व, ओवरलूक वाल्व, कांस और पॉपर पाइप आदि के थर्मल इंस्कुलेशन को हटाना, आपूर्ति एवं अनुप्रयोग, 271(RVU2526WWSOB02324) OCEMS व PIZ कैमरे का रखरखाव, 272(RVU2526WWSOB02323) जनरीटो के मरम्मत और विभिन्न प्रकार के वाल्व रिकॉन्स्ट्रक्शन, 273(RVU2526WWSOB02313) इन्वरीटो की वनस्पति की सफाई और मूलत ड्रैजिंग, 274(RVU2526WWSOB02330) कॉलिवर ग्राइंडर के रिपेयरिंग एवं रिकॉन्स्ट्रक्शन, 275(RVU2526WWSOB02316) टर्बाइन के कंडेनसर ट्यूब की हाइड्रोजेट सफाई, 276(RVU2526WWSOB02320) सीसीटीवी निगरानी प्रणाली का रखरखाव, 277(RVU2526WWSOB02327) रेडियोग्राफी और अल्ट्रासाउंडिंग प्रवाह की जांच, 278(RVU2526WWSOB02314) स्टैंड मॉनिटरिंग, वायु गुणवत्ता मौसम संबंधित डाटा मॉनिटरिंग, 372(RVU2526GLOB02308) ब्रकेट हॉल शॉप एवं 373(RVU2526GWSOB02310) दवाओं व ड्रैजिंग सामग्री की आपूर्ति। विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.raajasthan.gov.in (ई-निविदा ईपु), www.sppp.raajasthan.gov.in एवं www.energy.raajasthan.gov.in/npai पर उपलब्ध है।

RVUN/PR-4350

एच.संवाद / सी / 25 / 19929

परिचयोजना प्रमुख (सुरतागद सुपर क्रिटिकल)

खजाना खाली कर गए और सीख हमें देते हैं, घाटे के बीज बोकर हिसाब हमसे लेते हैं : दिया कुमारी

बजट बहस का जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री ने कांग्रेस नेताओं पर जमकर कटाक्ष किया

जयपुर (विसं)। उप मुख्यमंत्री व वित्तमंत्री दिया कुमारी ने बजट बहस का जवाब देते हुए कांग्रेस पर जमकर कटाक्ष किया। उन्होंने बजट बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, बायतू से हरीश चौधरी, राजाखेड़ा विधायक रोहित बोहरा सहित अन्य सदस्यों द्वारा उठाए बिंदुओं का तलख जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि “खजाना खाली कर गए और सीख हमें देते हैं, घाटे के बीज बोकर हिसाब हमसे लेते हैं।” हमारी सरकार राजस्व आय में वृद्धि करने के लिए प्रयासरत है। कांग्रेस सरकार के वक्त राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का के 4.4 प्रतिशत था, जबकि हमारी सरकार की ओर से राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 2025-26 में 3.87 प्रतिशत अनुमानित किया। साल 2026-27 में कम करके 3.6 9 प्रतिशत अनुमानित है। दिया कुमारी ने सबसे पहले सड़कों के क्षेत्र में घोषणा करते हुए कहा कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क मरम्मत व उन्नयन के लिए 690 करोड़ रूपए खर्च किए जाएंगे। डीएमआईसी नीमराणा औद्योगिक क्षेत्र में 1012 करोड़ रूपए की लागत से पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

कृत्रिम जलाशय व फीडर निर्माण पर अगले साल 200 करोड़ रूपए खर्च होंगे। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पुरानी जीर्ण-शीर्ण पाइप लाइन बदलने के लिए 150 करोड़ खर्च होंगे। वहीं, विद्याधर नगर में पानी की पाइप लाइन, टंकी



उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को सदन में बजट बहस का जवाब दिया।

निर्माण व टचयूबवेल के लिए 37 करोड़ रुपए की घोषणा की।

‘किसानों को खेत तक रास्ता देगी सरकार’

किसानों को खेत तक रास्ते के लिए 20 फीट तक सरकारी जमीन की पट्टी का आवंटन हो सकेगा। इसके लिए डीएलसी की दुगुनी दर से पैसा देना होगा। दिया कुमारी ने कहा कि

रास्तों और खातेदारी जमीन के बीच में सरकारी भूमि होने पर अप्रोच रोड-पहुंच मार्ग उपलब्ध नहीं हो पाता, ऐसी खातेदारी जमीन का गैर कृषि कार्यों में उपयोग के लिए लैंड यूज चेंज नहीं हो सकता। ऐसे प्रकरणों में 20 फीट तक की चौड़ाई की सरकारी जमीन की पट्टी का कृषि भूमि की प्रचलित डीएलसी की दुगुनी दर से भुगतान करने पर संबंधित खातेदार को अप्रोच रोड-पहुंच मार्ग के लिए आवंटन आवंटन किया जा सकेगा।

■ **कांग्रेस सरकार के वक्त राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का के 4.4 प्रतिशत था, जबकि हमारी सरकार की ओर से राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 2025-26 में 3.87 प्रतिशत अनुमानित किया। साल 2026-27 में कम करके 3.6 9 प्रतिशत अनुमानित है।**

‘हमारी सरकार सबको साथ लेकर चलने वाली’

दिया कुमारी ने कहा कि हमारी सरकार सबको साथ लेकर चलने वाली सरकार है। विपक्ष की तथ्यात्मक आलोचना का हम स्वागत करते हैं। कुछ ने अनावश्यक अर्नाल आलोचना की, मैं आभारी हूँ कि उन्होंने कम से कम बजट तो पढ़ा। यह तो इनकी परंपरा रही है। बजट समझा भले न हो, लेकिन पढ़ तो लिया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी नेता प्रतिपक्ष ने आज अनजाने ही सही हमारे पिछली बजट की तारीफ कर दी। आज उन्होंने कविताओं के अलावा ज्यादा कुछ आलोचना करने को मिला नहीं।

‘मेरा पानी पीना याद रहा, जेजेएम में भ्रष्टाचार नहीं’

दिया कुमारी ने डोटासरा पर तंज कसते हुए कहा कि लक्ष्मणगढ़ विधायक ने मेरे बजट भाषण पढ़ने के दौरान मेरे द्वारा सात आठ बार पानी पीने पर टिप्पणी की। अब क्या करें, हमारे समय में पानी आसानी से सब लोगों के लिए उपलब्ध है। अब आपके समय में जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में जो भ्रष्टाचर हुआ वो सब जानते हैं। उनकी सरकार में हुए भ्रष्टाचार पर तो इनका ध्यान गया ही नहीं, पर मैंने कितना पानी पिया उस पर ध्यान जरूर जाएगा। अभी मैं पानी और पी लेती हूँ। यह कहकर दिया कुमारी ने गिलास उठाकर पानी पीया। इस पर डोटासरा ने पलटवार करते हुए कहा कि पानी बर्बाद क्यों किया जा रहा है इतनी सी बात है। इस पर संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि पानी पीने को बर्बाद करना कैसे कह सकते हैं।

‘एक लाख पदों पर भर्ती प्रोसेस में है’

दिया कुमारी ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को नौकरियां दे रही है। एक लाख पदों पर भर्ती प्रोसेस में है। एक लाख भर्तियों का कैलेंडर जारी है।

बजट बहस के जवाब में सरकारी कर्मचारियों को लुभाया

ट्रेनिंग में नौकरी छोड़ने पर वेत्तन भत्तों की नहीं होगी वसूली

-विधानसभा संवाददाता-
जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को राज्य विधानसभा में बजट बहस का जवाब देते हुए प्रदेश के बुनियादी विकास, कर्मचारी और आमजन हित में कई अहम घोषणाएं कीं। दिया कुमारी ने सरकारी कर्मचारियों को प्रोबेशन पीरियड में ट्रेनिंग के दो साल की अवधि में केंद्र या राज्य की दूसरी नौकरी में चयन पर मौजूद पद छोड़ने पर राहत देने की घोषणा की है। अब दो साल की ट्रेनिंग अवधि में पद छोड़ने पर वेतन भत्तों की वसूली नहीं होगी। सभी राज्य कर्मचारियों को एक्सटेंडेट इश्योरेंस मेच्योरिटी के साथ अर्धवार्षिक रिटायरमेंट तिथि तक इश्योरेंस कवर दिया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा राजस्थान को पोछे किसने छोड़ा था, यह इतिहास जानता है। शिक्षा, कृषि पर नेता प्रतिपक्ष ने बजट कम करने की बात उठाई। हमारा कृषि बजट कांग्रेस सरकार से 34 प्रतिशत ज्यादा है। कम से कम आंकड़े तो सभी रख दीजिए। दिया कुमारी ने कहा कि राष्ट्रीय औसत दर से हमारी ग्रोथ रेट ज्यादा होने पर विधायक ने सवाल उठाए। हमारा फेडरल

स्ट्रक्चर है। राजस्थान की जीएसडीपी की ग्रोथ रेट राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। 2047 तक भारत को विकसित बनाने में राजस्थान ग्रोथ इंजन का काम करेगा। राज्य की जीएसडीपी अगले साल तक 21 लाख करोड़ पर होने का अनुमान है। यह कांग्रेस राज से 41 प्रतिशत से ज्यादा है।

बजट रिप्लाय में राहत, छोटी छोटी घोषणाओं से लुभाया

-किसानों को खेत तक पहुंचने के लिए जमीन देगी सरकार
-कोटा में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के पास बनेगा नया औद्योगिक क्षेत्र
-शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के लिए 690 करोड़ की घोषणा
-टिपल आईटी कोटा में नए कोर्स होंगे शुरू, एआई हब बनेगा
-लूणकणसर में मिनी सचिवालय का निर्माण करवाया
-75 हजार स्कूली बच्चों की आंखों की जांच कर देंगे चश्मे

‘गौ-हत्या’ पर विधानसभा में दिनभर हंगामा, 7 बार कार्यवाही स्थगित

विपक्ष के आरोपों से गुस्से में आकर सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा वैन क्रॉस करके विपक्ष की तरफ जा पहुंचे, हाथापाई की नौबत बनी

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। ‘गौ-हत्या’ के मुद्दे पर विधानसभा में मंगलवार को करीब 6 घंटे तक जमकर हंगामा हुआ। मामला इतना बढ़ा कि सदन की कार्यवाही भी 7 बार स्थगित करनी पड़ी। कांग्रेस ने पिछले सप्ताह जयपुर में गौहत्या की हत्या को लेकर हंगामा किया। कांग्रेसी विधायकों ने सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा पर गौ-हत्याओं को बचाने तक का आरोप लगा दिया, जिससे आवेश में आकर विधायक गोपाल शर्मा वैन क्रॉस करते हुए विपक्ष की तरफ जा पहुंचे। इस दौरान हाथापाई की नौबत तक आन पड़ी थी। बताया जा रहा है कि अब कांग्रेस विधायक, सिविल लाइंस गोपाल शर्मा को विशेषाधिकार हनन का नोटिस देने की तैयारी में है। विपक्ष ने मांग की है कि गौ-हत्या की जांच की जाकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

दिनभर के हंगामे के बाद शाम करीब 5 :15 बजे स्पीकर वासुदेव देवनानी ने दोनों पक्षों को शांत किया और उनका पक्ष सुना। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली ने कहा कि, प्रश्नकाल के दौरान गाय को “गुज्य माता” का दर्जा देने से जुड़े सवाल पर जवाब के दौरान सदन में माहौल गर्माया। पिछले दिनों जयपुर में गौ-हत्या का पाप हुआ है। इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। प्रश्नकाल में जब यह मामला उठा उस वक़्त भाजपा विधायक गोपाल शर्मा आवेश में आकर गुस्से में विपक्ष की तरफ आ गए थे। हम गोपाल शर्मा

■ **करीब 6 घंटे के हंगामे के बाद शाम 5:15 बजे स्पीकर ने बीच बचाव किया और कहा कि “रिकॉर्डिंग और कागज देखकर फैसला करेंगे”**

के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस देंगे।

इस पर सरकारी मुख्य सचैतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इशारा करके गोपाल शर्मा को गौ-हत्यारा कहा था, तब माहौल गर्माया था। गोपाल शर्मा पर विशेषाधिकार आण्णा तो राजाखेड़ा विधायक के खिलाफ भी आना चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने भी इसी बात को आगे बढ़ाया। इस पर टीकाराम जुली ने कहा कि, दोनों अलग-अलग प्रकरण है, लेकिन सत्ता पक्ष का यह कहना गलत है कि, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव आण्णा तो राजाखेड़ा के विधायक के खिलाफ भी आण्णा। अगर आसन को राजाखेड़ा विधायक के खिलाफ कार्रवाई करनी है तो करें, लेकिन उस प्रकरण को इस मुद्दे से नहीं जोड़ें।

दोनों पक्षों को सुनने के बाद स्पीकर वासुदेव देवनानी ने सदन की कार्यवाही

के दौरान और स्थगित करने के बाद हुई घटनाओं के वीडियो रिकॉर्डिंग, उपलब्ध दस्तावेजों और अधिकारिक अभिलेखों का परीक्षण करने के बाद इस प्रकरण का फैसला किया जाएगा। देवनानी ने कहा कि सदन लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है और उसकी गरिमा बनाए रखना प्रत्येक सदस्य की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान हुई तथा उससे पूर्व हुई सभी घटनाओं की निष्पक्ष समीक्षा की जाएगी और आवश्यकता अनुसार नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। इसके बाद विधानसभा में गतिरोध खत्म हो गया। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली का भाषण शुरू हुआ। इसके बाद दिनभर चला गतिरोध टूटा।

दरअसल यह हंगामा उस वक्त हुआ, जब भाजपा विधायक बालमुकुंदराचार्य ने गाय को राज्यमाता का दर्जा देने और गौवंश तस्करि से जुड़ा सवाल पूछा था। जिसके जवाब में गोपालन मंत्री ने कहा कि गौ-हत्या रोकने कानून बना हुआ है। इसी दौरान कांग्रेस नेताओं ने जयपुर में हुई “गौ-हत्या” के प्रकरण को लेकर हंगामा किया और पोस्टर भी सदन में लहराए। नेता प्रतिपक्ष जुली ने कहा था कि, पिछले सप्ताह जयपुर में ही गौहत्या हुई। हिंगोनिया गौशाला से गाय का सिर काटकर लाए, बीजेपी नेता का उसमें नाम है, उसे बचाने की कोशिश हो रही है। सरकार उस पर क्या कार्रवाई करेगी? इस पर बीजेपी विधायक गोपाल शर्मा ने आपत्ति जताते हुए कहा कि उसका

गोपाल शर्मा ने सोशल मीडिया पर माफी मांगी

जयपुर (विसं)। सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने विधानसभा में आक्रोशित होने के बाद देर शाम सोशल मीडिया पर वीडियो जारी करके सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। वीडियो में विधायक शर्मा ने कहा कि “आज प्रतिपक्ष के नेता ने मुझ को जिन चिन्तनों आरोपों में बांधकर संकेत किया, तो मैं सहन नहीं कर पाया और मैंने साबित करने की स्थिति में इस्तीफा दे देने तक की पेशकश की। ऐसा करते समय मैं सदन की मर्यादा भूल बैठा और उसके लिए मुझे आजीवन खेद रहेगा। इस बात को मैं पुरजोर शब्दों में दोहराना चाहता हूँ कि, मैं भारत माता, हिंदुत्व, ब्राह्मण, गौ, गायत्री, गीता और धरती माता के लिए जीवन भर समर्पित हूँ और अंतिम सांस तक समर्पित रहूंगा।”

गुनहवार खड़ा है। सदन में कांग्रेस विधायक पोस्टर लहराने लगे। जिस पर स्पीकर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यहां पोस्टर दिखाने की अनुमति नहीं दी जाएगी, आप प्लांटिंग करके आए हो, मुझसे फिर सहयोग की उम्मीद मत करना।

युवाओं के कौशल प्रशिक्षण पर रिव्यू मीटिंग 20 को

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज-उन्नति कार्यक्रम प्रदेश में कौशल विकास और रोजगार से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का मजबूत मंच बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं के अनुरूप कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग की सख्त मॉनिटरिंग का नतीजा है कि ‘डीडीयू-जीकेवाय’, राजविक्रम, सक्षम और समर्थ जैसी योजनाएं तेजी से धरातल पर उतर रही हैं। राज्य सरकार के संकल्प पत्र और बोते 2 वर्षों की बजट घोषणाओं के अनुरूप प्रदेश में नए आईआईटी केन्द्र खोला तथा केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार बीओसीडब्ल्यू निधियों से श्रमिकों के कौशल विकास के लिए पचपदरा में “सीआईपीईटी-सीएसटीएस” सेंटर की स्थापना तथा ऊर्जा कौशल विकास परिसर की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण कदम शामिल हैं। कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग आगामी 20 फरवरी को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली रिव्यू मीटिंग में इन तमाम मुद्दों को लेकर अपना पक्ष रखेगा। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने राजस्थान में चुनाव से पूर्व संकल्प पत्र में कहा था कि 100 आई.टी.आई. (इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर) बनाए जाएंगे। राज्य सरकार ने बोते 2 वर्ष में 20 आईटीआई का प्रावधान बजट में किया था, परंतु अभी तक मात्र 1 बन पाया है।

‘बहानों की बेडियों से खुद को बाहर निकाले, सफलता कदम चूमेगी’

अर्जुन अवाडीं स्वीटी बूरा ने एस.के.आई.टी. कॉलेज के वार्षिकोत्सव तथा स्पोर्ट्स फेस्ट का उद्घाटन किया

जयपुर (कासं)। अपने बहानों को अपने लक्ष्य के मार्ग में मत आने दीजिए, सफलता किसी बहाने पर नहीं मिलती। ये कहना है साल 2023 की महिला वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियन-2023 अर्जुन अवाडीं स्वीटी बूरा का। वे सोमवार को स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एसकेआईटी) में सालाना एनुअल कल्चरल फेस्ट प्रवाह-2026 के उद्घाटन के सत्र में स्टूडेंट्स को संबोधित कर रही थीं। छात्रों को उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों के बारे में बताया और कहा कि हमेशा कर्म पर विश्वास रखें और अपने जुनून को बरकरार रखें तो सफलता जरूर मिलेगी। इस अवसर पर समारोह के चीफ गेस्ट आरटीयू कोटा के वाइस चांसलर प्रो. निमित रंजन चौधरी भी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रो निमित रंजन चौधरी ने विद्यार्थियों को अपने सम्पूर्ण विकास पर केंद्रित रहने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद, तीन दिवसीय इंटर-कॉलेज स्पोर्ट्स फेस्ट ‘आवेग-2026’ का शुभारंभ हुआ। इस भव्य उद्घाटन समारोह में चेयरमैन सूरजाराम मील, वाइस चेयरमैन अनिल बाफना, डायरेक्टर जयपाल मील, डायरेक्टर अकादमिक प्रो. एस.एल. सुराना, रजिस्ट्रार रचना मील, डीन प्रो. आर.के. जैन, प्रिंसिपल रमेश कुमार पंचार एवं प्रवाह कन्वीनर डॉ बी एल शर्मा उपस्थित रहे। प्रवाह के खेल महाकुम्भ में पूरे राज्य के 40 से अधिक कॉलेजों के स्टूडेंट्स हिस्सा ले रहे हैं। फेस्ट के पहले दिन बैडमिंटन,



शतरंज, कैरम, रस्साकशी, कबड्डी, लॉन टेनिस, बॉलीबॉल, बास्केटबॉल और फुटबॉल सहित कई खेल स्पर्धाएं आयोजित की गईं। स्पोर्ट्स फेस्ट का संचालन अजीत सिन्हा, महेंद्र कुमार बेनीवाल, चंदन कुमार और अमृता भंडारी के नेतृत्व में किया जा रहा है।

एसओजी की दबिश में पांच डमी परीक्षार्थी गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित वरिष्ठ अध्यापक (द्वितीय श्रेणी) प्रतियोगी परीक्षा-2022 में डमी परीक्षार्थियों के जरिए चयन कराने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बड़ी कार्रवाई की है। एसओजी की टीमों ने अंडमान-निकोबार, कोलकाता, जयपुर, कोटा और जालौर सहित

छह स्थानों पर एक साथ दबिश देकर 5 डमी परीक्षार्थियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक संदिग्ध एमबीबीएस छात्र को हिरासत में लिया गया है। सभी गिरफ्तार आरोपियों पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। अतिरिक्त महानिदेशक ने बताया कि डमी परीक्षार्थियों में महेश कुमार बिश्नोई (एमबीबीएस छात्र,

जयपुर), महिपाल बिश्नोई (एमबीबीएस छात्र, कोटा), सहोदाम (एमबीबीएस छात्र, पोर्ट ब्लेयर), हनुमानराम (राजकीय अध्यापक) व निवास कुंआड़ा (राजकीय अध्यापक) शामिल हैं। एक अन्य संदिग्ध एमबीबीएस छात्र प्रिंस कोलकाता को हिरासत में लेकर जयपुर लाया जा रहा है।

राजस्थान हाईकोर्ट में फिर से बम ब्लास्ट की धमकी



जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर और जयपुर पीठ के परिसर में एक बार फिर बम ब्लास्ट की धमकी मिली है। हर बार की तरह इस बार भी हाईकोर्ट प्रशासन के ईमेल पर समान पैटर्न में धमकी भरा मेल भेजा गया है। मेल मिलने के बाद हाईकोर्ट प्रशासन ने इसकी सूचना पुलिस के उच्चाधिकारियों को दी और मुकदमों की सुनवाई एक घंटा बाद में शुरू करने का निर्णय लिया। सूचना पर पुलिस के उच्चाधिकारी बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वाड के साथ हाईकोर्ट परिसर पहुंचे। सुरक्षा दस्तों की ओर से हाईकोर्ट की मुख्य बिल्डिंग की गहनता से जांच की गई। हालांकि इस दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

हाईकोर्ट चौकी प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि बम की सूचना मिलते ही पुलिस के बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वाड की ओर से पूरे हाईकोर्ट परिसर के चचे-चप्पे की जांच की गई। वहीं हाईकोर्ट के मुख्य परिसर से न्यायिक कर्मचारियों, अधिकारताओं व पक्षकारों को बाहर

निकाला गया। मौके पर किसी भी अनहोनी ने निपटने के लिए फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस तैनात की गईं। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा का कहना है कि हाईकोर्ट परिसर में सुरक्षा के माफ़ूल इंतजाम किए गए हैं, लेकिन यहां अब तक कई बार बम ब्लास्ट के मेल मिल चुके हैं। जांच एजेंसियां अभी तक यह तक मालूम नहीं कर पाई हैं कि मेल कहां से आया है। हर बार मेल मिलने के बाद मुकदमों की सुनवाई बीच में बंद कर दी जाती है और कोर्ट परिसर खाली करा लिया जाता है। जिससे एक और भय का माहौल पैदा हो गया है, वहीं मुकदमों की सुनवाई भी प्रभावित होती है।

गौरतलब है कि हाईकोर्ट प्रशासन को सबसे पहले गत वर्ष 31 अक्टूबर को बम विस्फोट की पहली धमकी मिली थी। इसके बाद 5 दिसंबर को दूसरी धमकी दी गई। वहीं 8 दिसंबर से लगातार चार दिनों तक बम ब्लास्ट को लेकर हाईकोर्ट प्रशासन को मेल भेजे गए। इसके बाद गत छह फरवरी को ब्लास्ट की धमकी दी गई।

कछुआ बेचने के नाम पर 4.2० लाख की ठगी, एक आरोपी गिरफ्तार

फरार चल रहे आरोपी पर पांच हजार रुपये का इनाम घोषित था

पाटन, (निसं)। पाटन पुलिस ने कछुआ बेचने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में फरार चल रहे पांच हजार रुपये के इनामी आरोपी मामराज बावरिया को गिरफ्तार किया है। आरोपी घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था।

थानाधिकारी रमेश चंद मीणा ने बताया कि यह मामला 12 मार्च 2०21 को किशोरी लाल पुत्र रामचंद्र निवासी कांकवड़ का तिबारा, दरीबा की रिपोर्ट पर दर्ज किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार मनोज कुमार और दिनेश कुमार रैगर को कृष्ण कुमार बावरिया ने बिजली फिटिंग के कार्य के बहाने अपने घर बुलाया था। कार्य के दौरान दोनों की कृष्ण बावरिया से जान-पहचान हो गई। कृष्ण ने उन्हें कम समय में अधिक मुनाफा कमाने का लालच दिया तथा अपनी बोलेरो,

- आरोपी मौज-मस्ती और महंगी गाड़ियां रखने के शौक को पूरा करने के लिए लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे, पुलिस अब आरोपी से अन्य संभावित वारदातों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है**

ब्रेजा और ट्रैक्टर जैसी लम्गरी गाड़ियां दिखाकर प्रभावित किया। इसके बाद 3 अप्रैल 2०21 को कृष्ण बावरिया ने मनोज को फोन कर दौसा की एक पाटी के पास कछुए होने की बात कही। उसने मनोज और दिनेश को पावटा बुलाकर कछुए सस्ते में खरीदकर महंगे दामों में बेचने का झांसा दिया। इस प्रलोभन में आकर दोनों से चार लाख बीस हजार रुपये ठग लिए गए। धोखाधड़ी का मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पूर्व में आरोपी कृष्ण बावरिया और

धोलुराम बावरिया को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है, जबकि मामराज बावरिया घटना के बाद से फरार था। सीकर पुलिस अधीक्षक द्वारा उस पर पांच हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। प्रकरण दर्ज होने के बाद पुलिस ने संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी। साइबर सेल की सहायता से कॉल डिटेल् खंगालकर आरोपी की लोकेशन ट्रेस की गई, जिसके आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी

मौज-मस्ती और महंगी गाड़ियां रखने के शौक को पूरा करने के लिए लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे। पुलिस अब आरोपी से अन्य संभावित वारदातों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है।

चाकू मारने वाले आरोपी पुलिस गिरफ्त से दूर

अलवर, (निसं)। थाना उद्योग नगर में 12 फरवरी को लड़ाई-झगड़े में चाकू छुरे चलो रिपोर्ट भी दर्ज हुई, लेकिन पुलिस ने आज तक एक भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया। आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं, जिसमें मोहन जाट उर्फ मोरा लालपुरी, सर्वेन्द्र कुमार जाट अशोक लौलैंड हेड गार्डस

राजू जाट डूमेड़ा, बीरू कुमार जाट डूमेड़ा, इसमें से एक-दो पर पहले से ही लड़ाई, झगड़ा, मारपीट और फिरोती मांगने के मुकदमे दर्ज हैं। जानकारी के अनुसार 12 फरवरी को शाम को राठी मार्केट में कालू की होटल के सामने किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था, जिसमें इन लोगों ने चाकूओं से तीन-चार लोगों को घायल कर दिया था। घायल व्यक्ति अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। सर्वेन्द्र जाट जो कि अशोक लौलैंड में गाड़ों का पीएसओ है। यही व्यक्ति इन सबको संरक्षण देता है और दहशत फैलाने के लिए गाड़ों को लेकर साथ में घुमता है। आरोपियों के आजाद घुमने के कारण पीड़ित पक्ष को जान माल का भय है। वहीं पुलिस अभी तक इन पर कोई कार्रवाई नहीं कर पाई है।

लावारिस बच्ची को ट्रैन में सुरक्षित रेस्क्यू किया

जोधपुर, (कासं)। रानीखेत एक्सप्रेस में सोमवार रात मानवता की एक प्रेरक तस्वीर सामने आई। ड्यूटी पर तैनात टीटीई मनोज सिंह सोलंकी ने जनरल कोच में अकेली और डरी-सहमी बैठी करीब सात वर्षीय लावारिस बच्ची को देखकर तुरंत संवेदनशीलता दिखाई और उसे सुरक्षित रेस्क्यू किया।

कांगोदाम-जैसलमेर रानीखेत एक्सप्रेस में सोमवार रात जोधपुर से जैसलमेर के बीच टीटीई मनोज सिंह सोलंकी ड्यूटी पर थे। जब वे जनरल कोच में टिकटों की जांच कर रहे थे,

- बच्ची के परिजनों की तलाश जारी**

तब उनकी नजर करीब सात वर्षीय एक अबोध बालिका पर पड़ी। वह कोच में बिंकुल अकेली और बेहद डरी हुई हालत में बैठी थी। टीटीई सोलंकी ने तुरंत मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए बच्ची के पास जाकर उससे पूछताछ की। काफी प्रयास के बाद जब यह स्पष्ट हो गया कि ट्रैन में उसके साथ कोई अभिभावक मौजूद नहीं है और वह

पोकरण रेलवे स्टेशन के पास से लावारिस स्थिति में सफर कर रही है, तो सोलंकी ने मामले की गंभीरता को समझा। उन्होंने बिना देरी किए चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1०98 पर संपर्क कर पूरी स्थिति से अवगत कराया। ट्रैन के जैसलमेर रेलवे स्टेशन पहुंचने पर टीटीई सोलंकी ने बच्ची को सुरक्षित रूप से चाइल्ड हेल्पलाइन टीम को सौंप दिया। रेलवे प्रशासन और चाइल्ड हेल्पलाइन अब बालिका के परिजनों की तलाश में जुटे हैं, ताकि उसका सुरक्षित पुनर्वास सुनिश्चित किया जा सके।

- जोधपुर**, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने कारखाना एवं बायलर्स निरीक्षण विभाग भर्ती-2०25 में आवेदन करने वाले ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास विज्ञापन में निर्धारित अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता और अनुभव नहीं है

को ऑनलाइन आवेदन 28 फरवरी तक विथड्रॉ करने का अंतिम अवसर दिया गया है। ऐसा न करने पर अपात्र पाए गए अभ्यर्थियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

आयोग द्वारा की गई रैंडम जांच में सामने आया है कि कई अभ्यर्थियों ने आवश्यक योग्यता और अनुभव न होने के बावजूद आवेदन कर दिया है। आयोग

- योग्यता नहीं तो वापस लें आवेदन, वरना 3 साल के लिए होंगे डिबार.**

द्वारा जारी की गई सूची से यह स्पष्ट होता है कि बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थियों ने भी आवेदन किया है जिनके पास केवल बीए, बीकॉम तथा बीएससी जैसी डिग्रियां हैं, जबकि संबंधित पदों के लिए इंजीनियरिंग की विशिष्ट डिग्री अनिवार्य हैं। गलत सूचना के आधार पर आवेदन करना और पात्रता न होने पर भी आवेदन वापस न लेना दंडनीय अपराध

बकाया वसूली अभियान के तहत कार्रवाई की

छबड़ा, (निसं)। सहायक अभियंता सतर्कता बारां, विद्युत विभाग छबड़ा एवं स्थानीय पुलिस बापचा की संयुक्त टीम ने बकाया वसूली अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए आधा दर्जन गांव से 6 लाख से अधिक की बकाया राशि के 3 ट्रांसफार्मर उठाये तथा 14 ट्रांसफार्मर अवैध जन्त किए हैं।

सहायक अभियंता जयेन्द्र सिंह झाला ने बताया कि सहायक अभियंता सतर्कता बारां, कनिष्ठ अभियंता छबड़ा, कडैया और उनके नेतृत्व में विद्युत विभाग की टीम और स्थानीय पुलिस थाना बापचा ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए क्षेत्र से श्री फ़ेस के 2 तथा सिंगल फेज के 1 ट्रांसफार्मर उठाए जिनमें गोड़ियाचरण से 3.81 लाख पर श्री फेज के 2, उचावद से 1.91 लाख पर सिंगल फेज के 1 तथा मोतीपुरा से 2.3० लाख पर बकाया पर रखे ट्रांसफार्मर को जन्त करने के दौरान हुए विवाद के कारण ट्रांसफार्मर को खुद-बुद किया।

साथ ही मौके पर गोदियामेहर से सिंगल फेज के 1०, ढीमरपुरा से सिंगल फेज से 2, रातेन से सिंगल फेज से एक और मोतीपुरा से श्री फेज का 1, कुल 14 ट्रांसफार्मर अवैध जन्त किए। उन्होंने बताया कि कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार के नाम पर खेजड़ी वृक्ष काटना जारी

जोधपुर, (कासं)। शहर के नजदीक बोरानाडा-सालावास में रिको औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार के नाम पर खेजड़ी सहित राजस्थानी वृक्षों की अवैध कटाई का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि फैक्टरी मालिक पेड़ काटकर उन्हें मिट्टी में दफन कर रहे हैं, जिससे किसी को भनक न लगे। बोरानाडा-सालावास के ग्रामीणों ने लूणी एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर तत्काल जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन पर ग्रामीण ब्रवण चौधरी ने बताया कि रिको को आवंटित भूमि पर बिना मंजूरी के खेजड़ी की अंधाधुंध कटाई हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मरुस्थलीय क्षेत्र की जीववरेखा है, जो पर्यावरण संतुलन, पशु चारा, छाया और मिट्टी को उर्वरता बनाए रखती है।

ग्रामीणों ने कहा कि हाल ही के दिनों में पेड़ों की कटाई तेज हो गई है। उन्होंने एसडीएम से अपील की कि मौके पर जांच कराई जाए और जिम्मेदारों पर वन संरक्षण अधिनियम

- बोरानाडा-सालावास के ग्रामीणों ने लूणी एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की**

के तहत कड़ी कार्रवाई हो। फिलहाल एसडीएम ने ज्ञापन लेने के बाद उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

जैसलमेर में ओरण-गोचर की जमीन बचाने की मांग

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर में ओरण और गोचर भूमि को सोलर कंपनियों के आवंटन से बचाने की मांग को लेकर मंगलवार को जिला मुख्यालय पर बड़ा विरोध देखने को मिला। कलैक्ट्रेट से करीब सौ मीटर दूर वीर आलाजी मंदिर परिसर में हजारों ग्रामीण, पशुपालक और महिलाएं एकत्र हुए। लोगों ने सरकार से जिले की करीब 2० लाख बीघा

ओरण और गोचर भूमि को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने की मांग की और जिला कलैक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान ग्रामीण इलाकों से भारी संख्या में महिलाएं भी मौजूद रही।

महामंडाव में आध्यात्मिक और सामाजिक नेतृत्व का अनूठा संगम देखने को मिला। पोकरण विधायक महंत प्रताप पुरी और संत समाज की मौजूदगी ने इस लड़ाई को और मजबूती दी। जिले भर के विभिन्न गांवों से आए पर्यावरण प्रेमियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि जिसे सरकार राजकीय बंजर मानकर कंपनियों को सौंप रही है, वह वास्तव में हजारों मवेशियों का चरागाह और प्राचीन जल स्रोतों का केंद्र है।

इस मौके पर पोकरण विधायक महंत प्रताप पुरी ने सबको सरकार की तरफ से आश्वस्त भी किया कि सरकार इस मामले को लेकर काफी गंभीर है और बहुत जल्द ओरण की जमीनों को सरकारी रेकॉर्ड में ओरण के नाम से दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लावारिस बच्ची को ट्रैन में सुरक्षित रेस्क्यू किया

जोधपुर, (कासं)। रानीखेत एक्सप्रेस में सोमवार रात मानवता की एक प्रेरक तस्वीर सामने आई। ड्यूटी पर तैनात टीटीई मनोज सिंह सोलंकी ने जनरल कोच में अकेली और डरी-सहमी बैठी करीब सात वर्षीय लावारिस बच्ची को देखकर तुरंत संवेदनशीलता दिखाई और उसे सुरक्षित रेस्क्यू किया।

कांगोदाम-जैसलमेर रानीखेत एक्सप्रेस में सोमवार रात जोधपुर से जैसलमेर के बीच टीटीई मनोज सिंह सोलंकी ड्यूटी पर थे। जब वे जनरल कोच में टिकटों की जांच कर रहे थे,

- बच्ची के परिजनों की तलाश जारी**

पोकरण रेलवे स्टेशन के पास से लावारिस स्थिति में सफर कर रही है, तो सोलंकी ने मामले की गंभीरता को समझा। उन्होंने बिना देरी किए चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1०98 पर संपर्क कर पूरी स्थिति से अवगत कराया। ट्रैन के जैसलमेर रेलवे स्टेशन पहुंचने पर टीटीई सोलंकी ने बच्ची को सुरक्षित रूप से चाइल्ड हेल्पलाइन टीम को सौंप दिया। रेलवे प्रशासन और चाइल्ड हेल्पलाइन अब बालिका के परिजनों की तलाश में जुटे हैं, ताकि उसका सुरक्षित पुनर्वास सुनिश्चित किया जा सके।

ऑनलाइन आवेदन विथड्रॉ करने का अंतिम अवसर 2 8 फरवरी तक

- योग्यता नहीं तो वापस लें आवेदन, वरना 3 साल के लिए होंगे डिबार.**

द्वारा जारी की गई सूची से यह स्पष्ट होता है कि बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थियों ने भी आवेदन किया है जिनके पास केवल बीए, बीकॉम तथा बीएससी जैसी डिग्रियां हैं, जबकि संबंधित पदों के लिए इंजीनियरिंग की विशिष्ट डिग्री अनिवार्य हैं। गलत सूचना के आधार पर आवेदन करना और पात्रता न होने पर भी आवेदन वापस न लेना दंडनीय अपराध

- जोधपुर**, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने कारखाना एवं बायलर्स निरीक्षण विभाग भर्ती-2०25 में आवेदन करने वाले ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास विज्ञापन में निर्धारित अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता और अनुभव नहीं है

को ऑनलाइन आवेदन 28 फरवरी तक विथड्रॉ करने का अंतिम अवसर दिया गया है। ऐसा न करने पर अपात्र पाए गए अभ्यर्थियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

आयोग द्वारा की गई रैंडम जांच में सामने आया है कि कई अभ्यर्थियों ने आवश्यक योग्यता और अनुभव न होने के बावजूद आवेदन कर दिया है। आयोग

भीलवाड़ा में एक किलो अफीम के साथ जोधपुर का तस्कर गिरफ्तार

मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 16 लाख की नकदी बरामद की

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करो के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस थाना सुभाषनगर और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए रोडवेज बस स्टैंड परिसर से एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 1 किलो 43 ग्राम अवैध अफीम और मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 16 लाख रुपये की नकदी बरामद की गई है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह द्वारा जिले में आपराधिक गतिविधियों और नशा तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण हेतु विशेष निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पारसमल जैन व पुलिस उप अधीक्षक वृत्त सदर माधव उपाध्याय के निकटतम सुपरविजन में थाना नभारी प्रभाती लाल के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। पुलिस को 16 फरवरी को पुख्ता सूचना मिली

कि रोडवेज बस स्टैंड परिसर में एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ के साथ मौजूद है। टीम और सुभाषनगर पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति की घेराबंदी की। पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम देराम राम चौधरी (69), निवासी जाखड़ों की ढाणी, नारवा जोधपुर बताया। जब पुलिस ने आरोपी के बैग की तलाशी ली, तो उसमें से 1 किलो 43 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। इसके अलावा बैग में 16 लाख रुपये की नकदी भी मिली। पुलिस

के अनुसार यह राशि अफीम की खरीद-फरोख्त के लिए परिवहन की जा रही थी। आरोपी के पास मादक पदार्थ परिवहन से संबंधित कोई वैध लाइसेंस या परमिट नहीं पाया गया। इस पर पुलिस ने अफीम और नकदी को जन्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि यह खेप कहाँ से लाई गई थी और भीलवाड़ा में किसे सप्लाई की जानी थी।

स्मैक व स्कूटी सहित एक आरोपी को पकड़ा

छबड़ा, (निसं)। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 3.43 ग्राम स्मैक व इसमें प्रयुक्त स्कूटी को जन्त कर लिया है।

सीआई राजेश खटाना के अनुसार गश्ती दल ईदगाह चौराहा के निकट छबड़ा-छीपाबड़ौद रोड पर नाकाबन्दी कर आने जाने वाले वाहनों को चेक कर रहा था की एक स्कूटी चालक छीपाबड़ौद की तरफ से आ रहा था जो पुलिस जापा को देखकर एकदम से रोड के दांयी तरफ जाने लगा, जिसके आगे तारबन्दी हो रही थी।

सन्देह होने पर उक्त व्यक्ति को डिटेन किया व उससे उसके नाम पता

पूछा तो उक्त व्यक्ति ने घबराई हुई स्थिति में अपना नाम हेमराज मीणा (32) पुत्र मोहनराम निवासी गुराडी थाना छीपाबड़ौद हाल प्रताप नगर छबड़ा का होना बताया। जिससे इस प्रकार एकदम से घूमकर जाने का कारण पूछा तो कोई संतोषप्रद जबाब नहीं दिया। डिटेनशुदा हेमराज की तलाशी ली गई तो शर्ट के ऊपर की बांयी जेब से अवैध मादक पदार्थ स्मैक मिली। आरोपी को मौके पर से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 3.43 ग्राम स्मेक को जन्त किया गया। प्रकरण में पुलिस द्वारा अग्रिम अनुसंधान कर प्रकरण की गहगता से जांच कर इस मामले में संलिप्त अन्य अभियुक्तों की तलाश की जा रही है।

अजमेर मेयो गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं आनासागर झील का भ्रमण किया

फील्ड आधारित बर्डवॉचिंग सत्र से विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण की चेतना बढ़ी

अजमेर, (कासं)। पर्यावरण संरक्षण की सुदृढ़ नींव विद्यार्थी जीवन से ही रखी चाहिए। इसी उद्देश्य से अजमेर स्थित आनासागर झील पर मेयो गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं के लिए एक फील्ड आधारित बर्डवॉचिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का समन्वय महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा अपने आउटरीच एवं अनुभववात्मक शिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को पक्षियों की वैज्ञानिक पहचान की विधियों, उनकी पारिस्थितिक भूमिका तथा जैवविविधता संरक्षण के महत्व से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था। सत्र के दौरान विभाग के प्राध्यापकों, विशेषज्ञों एवं शोधार्थियों ने दूरबीन और फील्ड गाइड की सहायता से छात्राओं को स्थानीय एवं प्रवासी पक्षियों की पहचान, उनके व्यवहार के अध्ययन तथा गणना पद्धतियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रात:कालीन अवलोकन में ग्रेट व्हाइट पेलिकन विशेष



अजमेर स्थित आनासागर झील पर मेयो गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने बर्डवॉचिंग की।

आकर्षण का केंद्र रहा। इसके अतिरिक्त ब्लैक-हेडेड गल के झुंड, इंडियन स्पॉट-बिल्ड डेक, टटबॉन पर पंख सुखाते हुए ग्रेट कॉर्नरिंट तथा खुले जल क्षेत्र में भोजन खोजती कॉमन कूट भी देखी गईं। इन प्रजातियों की उपस्थिति ने

झील की पारिस्थितिक समृद्धि और प्रवासी पक्षियों के लिए इसकी उपयोगिता को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया। कार्यक्रम में मेयो गर्ल्स कॉलेज की ओर से डॉ. मंजरी गर्ग, डॉ. शिल्पी बक्श, रैना शर्मा, ऋचा शर्मा, रश्मिता शर्मा,

अजय प्रसाद एवं अरुण सिंह उपस्थित रहे। वहीं विश्वविद्यालय की ओर से जैव विविधता विशेषज्ञों में प्रो. प्रवीण माथुर, डॉ. विवेक शर्मा, दिवाकर यादव, रौनक चौधरी, यवन सिंह, आयुषी मीणा एवं रूबी मलिक ने छात्राओं को पक्षियों की

- छात्राओं को स्थानीय एवं प्रवासी पक्षियों की पहचान, उनके व्यवहार के अध्ययन तथा गणना पद्धतियों की जानकारी दी**

पहचान और उनके पारिस्थितिक महत्व के बारे में मार्गदर्शन दिया। पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. सुब्रतो दत्ता ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रकृति से प्रत्यक्ष रूप से संलग्नता की दिशा में सबसे प्रभावी कदम है। जब विद्यार्थी स्वयं पक्षियों और पारिस्थितिक तंत्रों का अवलोकन करते हैं, तब उनमें पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी स्वत: विकसित होती है। उन्होंने बताया कि विभाग अपने आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से शपरे के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों में जैवविविधता संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

झुंझुनूं, (निसं)। एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने मंगलवार को पुलिस थाना बगड़ का औचक निरीक्षण किया। एसपी ने थाना परिसर, एचएम कार्यालय, मालखाना, महिला डेस्क, बैरिक, हवालात, मैस आदि का निरीक्षण किया तथा रिपोर्ट देखा। वहीं कमियों को दुरुस्त करने, थाने में सभी कार्य कुशलतापूर्वक किए जाने, अधिकारी-कर्मिकों को मुस्तैदी से ड्यूटी करने एवं अनुशासन बनाए रखने के संबंध में थानाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने

थाना स्तर पर अपराध की स्थिति की समीक्षा की जाकर अपराध पर अंकुश लगाने तथा लंबित मामलों की शीघ्र जांच पूर्ण करने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर भी विशेष ध्यान देने पर जोर दिया गया एवं ऐसे अपराधों की रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाए जाने और पीड़ितों को त्वरित सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि बदमाशों, असामाजिक तत्वों एवं किसी भी प्रकार के अवैध कारोबार जैसे नशीले पदार्थ, जुआ, सट्टा,

आबकारी, आम्स के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते रहें। सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए भी उपायों पर चर्चा की गई तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान कल रहे अभियानों की प्रगति की समीक्षा करने तथा पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे अभियानों की प्रगति की समीक्षा की जाकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान ग्रामीण डीएसपी हरिसिंह धायल, थानाधिकारी प्रशिक्षु आरपीएस अंबिका चौधरी समेत अन्य मौजूद रहे।

